卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 277 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦सोमवार ♦13 जुलाई 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

विकसित उत्तराखंड की नींव बनेगी साइंस सिटी: धामी

मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों का लिया जायजा, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों से किया संवाद

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को देहरादून में निर्माणाधीन साइंस सिटी परियोजना का स्थलीय निरीक्षण कर विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उत्तराखण्ड साइंस टैक्नोलॉजी एण्ड इनोवेशन पॉलिसी 2026 पॉलिसी को भी लॉंच किया। साथ ही वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर परियोजना को और अधिक प्रभावी तथा

जन उपयोगी बनाने के संबंध में सुझाव भी प्राप्त किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइंस सिटी केवल एक भवन नहीं, बल्कि उत्तराखंड में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और अनुसंधान की नई संस्कृति विकसित करने का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी।सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित विकास को प्राथमिकता देते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप मजबूत आधार तैयार कर रही है। संवाद कार्यक्रम में वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने विज्ञान शिक्षा को अधिक व्यवहारिक बनाने, विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, नवाचार आधारित स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने,आधुनिक प्रयोग शालाओंकी स्थापना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष (शेष पृष्ठ 7पर)

बद्रीनाथ चढ़ावा प्रकरण में प्रमोद नौटियाल गिरफ्तार

देहरादून (उद संवाददाता)। बद्रीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले में गठित विशेष जांच दल ने बद्री केदार मंदिर समिति के निलंबित पर्सनल असिस्टेंट प्रमोद नौटियाल को हिरासत में ले लिया है। एसआईटी ने रविवार

देर रात देहरादून की नेहरू कॉलोनी स्थित उनके आवास से उन्हें हिरासत में लेने के बाद चमोली लाकर बद्रीनाथ थाने में पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच जारी है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार एसआईटी की टीम सादे कपड़ों में देहरादून पहुंची थी और प्रमोद नौटियाल को अपने साथ लेकर चमोली रवाना हो गई। प्रारंभ में परिजनों को उनके बारे में जानकारी नहीं (शेष पृष्ठ सात पर)

पति से कहासुनी के बाद महिला ने मासूम संग गंगनहर में लगाई छलांग

रुड़की (उद संवाददाता)। गंगनहर में एक महिला ने पति से विवाद के बाद अपनी एक वर्षीय बेटी के साथ गंगनहर में छलांग लगा दी। एसडीआरएफ दोनों की तलाश

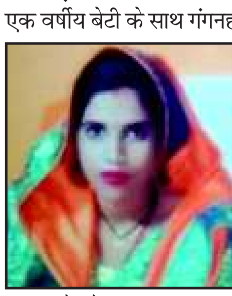

कर रही है। पुलिस के अनुसार कोटा मुरादनगर थाना कलियर निवासी 35 वर्षीय अर्जुन अपनी पत्नी सविता, एक वर्षीय बेटी नोनी और चार वर्षीय पुत्र नक्श के साथ मोटरसाइकिल से गांव रायपुर दरेड़ा स्थित ससुराल जा रहा था। जब परिवार दौलतपुर के पास पहुंचा तो रास्ते में पति पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि अर्जुन की मां देहरादून के एक अस्पताल में भर्ती हैं और वह उनसे मिलने जाना चाहता था, जबकि उसकी पत्नी पहले मायके छोड़ने की जिद कर रही थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर सविता ने अर्जुन से मोटरसाइकिल रोकने को कहा। जैसे ही अर्जुन ने बाइक रोकी, सविता अपनी एक वर्षीय बेटी नोनी को गोद (शेष पृष्ठ सात पर)

मुठभेड़ में शार्प शूटर विरत चौधरी घायल,तीन गिरफ्तार

गाबा चौक और पुलभट्टा फायरिंग कांड के आरोपित गैंग पर रुद्रपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अपराध मुक्त उत्तराखंड के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए ऊधमसिंह नगर पुलिस ने रविवार देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात शार्प शूटर जितेंद्र चौधरी उर्फ विरत चौधरी को पुलिस मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर लिया। उसके साथ दो अन्य शातिर अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया, जबकि एक आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार आरोपी किसी बड़ी खूनी गैंगवार को अंजाम देने की फिराक में थे, जिसे समय

रहते विफल कर दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने आरोपियों के कब्जे से तीन तमंचे, आठ जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की रेनॉल्ट क्विड कार तथा तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 21 जून को रुद्रपुर के गाबा चौक पर दिनदहाड़े हुई ताबड़तोड़ फायरिंग का मुख्य आरोपी जितेंद्र चौधरी उर्फ विरत चौधरी था। डिबडिबा बिलासपुर निवासी इस शार्प शूटर ने अपने प्रतिद्वंद्वी की हत्या के इरादे से बीच बाजार में फायरिंग की थी, जिससे आम लोगों में दहशत फैल गई थी। इस मामले में कोतवाली रुद्रपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद 30 जून को पुलभट्टा थाना क्षेत्र में भी इसी गिरोह ने अपने प्रतिद्वंद्वी के वाहन को घेरकर कई राउंड फायरिंग की थी। इस घटना में राह से गुजर रही एक महिला सहित अन्य लोग गोली लगने से घायल हो गए थे। इस मामले में भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर (शेष पृष्ठ सात पर)

सड़क हादसे में प्रॉपर्टी डीलर की मौत, चार घायल

जानवर को बचाने के प्रयास में भिड़ीं दो कारें

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सोमवार की रात्रि हल्द्वानी मार्ग पर संजय वन के समीप अचानक सामने आये जानवर को बचाने के प्रयास में एक कार सामने आती अन्य कार से जा भिड़ी। इस दुघर्टना में कार सवार प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करने वाले व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां उनकी हालत चिंताजनक देखते हुए उन्हें रैफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर संजय वन चौकी पुलिस

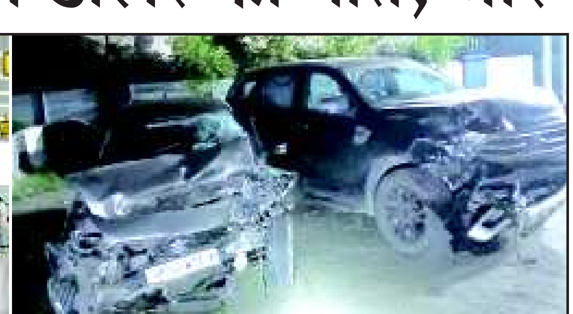

ने मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों को अपने कब्जे में लिया। जानकारी के अनुसार पंजाबी कालोनी वार्ड 8 दिनेशपुर निवासी लगभग 55 वर्षीय विनोद कुमार मिगलानी पुत्र मेंगाराम प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। बताया जाता है कि विनोद मिगलानी कार्य के सिलसिले में अपने चार अन्य साथियों के साथ अल्मोड़ा गये थे जिनमें गाजियाबाद के निवासी भी शामिल थे। सभी लोग कार सं. यूपी 14 एफडब्लू 0516 में सवार होकर अल्मोड़ा से वापस लौट रहे थे। उनकी कार जब संजय वन पास पहुंची तो अचानक सामने एक जानवर आ गया। जिसको बचाने के प्रयास में कार चला रहा व्यक्ति वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और कार अनियंत्रित होकर सामने से आती एक अन्य कार संख्या यूके 04 एएफ 8000 से जा भिड़ी। इस (शेष पृष्ठ सात पर)

चोरी की बाइक सहित एक दबोचा

काशीपुर। कोतवाली पुलिस ने चोरी की मोटर साइकिल के साथ एक चोर को गिरफ्तार किया है। मोहल्ला गंज रतन सिनेमा रोड स्थित कंप्यूटर वाली गली निवासी रऊफ अहमद ने 11 जुलाई को कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि 3 जुलाई को उनके घर के बाहर खड़ी उनकी हीरो स्प्लेंडर मोटर

साइकिल (यूके-06 बीसी-7458) अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। तहरीर के आधार पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक काशीपुर और क्षेत्राधिकारी काशीपुर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र चौधरी ने उपनिरीक्षक मीना रावत के नेतृत्व (शेष पृष्ठ सात पर)

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का दल रवाना

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। उत्तराखंड सरकार के संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व विशेष नि:शुल्क ट्रेन यात्रा 2026 का शुभारंभ सोमवार को हो गया। हल्द्वानी रोडवेज बस स्टेशन से नैनीताल जिले के 37 चयनित

श्रद्धालुओं का दल देहरादून के लिए रवाना किया गया, जहां प्रदेश के सभी 13 जिलों से आए श्रद्धालुओं के साथ विशेष ट्रेन से गुजरात स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ धाम के लिए यात्रा शुरू होगी। इस अवसर पर सांसद अजय भट्ट ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह योजना (शेष पृष्ठ सात पर)

अमरनाथ यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं का जोरदार स्वागत

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री अमरनाथ जी सेवा मंडल के बैनर तले सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। गूंज उठा। यात्रा पर गए जत्थे में महापौर विकास शर्मा भी शामिल रहे। गौरतलब रवाना हुआ था। पवित्र यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण कर सोमवार को सभी

पवित्र अमरनाथ यात्रा पूरी कर लौटे शिव भक्तों के जत्थे का सोमवार को रुद्रपुर रेलवे स्टेशन पर विभिन्न धार्मिक और श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की गई और बम भोले तथा हर हर महादेव के जयघोषों से पूरा रेलवे स्टेशन भक्तिमय वातावरण में है कि 4 जुलाई को श्री अमरनाथ जी सेवा मंडल के तत्वावधान में श्रद्धालुओं का जत्था बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालु सकुशल रुद्रपुर लौटे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर (शेष पृष्ठ सात पर)

बूथ से वोटर लिस्ट तक फोकस, मिशन 2027 में जुटी भाजपा

देहरादून की संगठनात्मक बैठक में बूथ प्रबंधन, मतदाता सूची पुनरीक्षण और संगठन की मजबूती पर बना चुनावी रोडमैप

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को गति देते हुए भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर अपनी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। रविवार को देहरादून के कुआंवाला में आयोजित संगठनात्मक बैठक में राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व ने स्पष्ट संदेश दिया कि आगामी विधानसभा चुनाव केवल सरकार की उपलब्धियों के आधार पर नहीं, बल्कि बूथ स्तर तक मजबूत संगठन, त्रुटिरहित मतदाता सूची और प्रत्येक समर्थक मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने की प्रभावी रणनीति के साथ लड़ा जाएगा। बैठक में संगठन की मजबूती, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान और बूथ प्रबंधन को चुनावी सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताया गया। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट सहित प्रदेश पदाधिकारियों और संगठन के विभिन्न स्तरों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विधानसभा चुनाव 2027 के लिए संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करना और चुनावी तैयारियों को धरातल पर मजबूत करना रहा। राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि उत्तराखंड को भाजपा का अभेद दुर्ग बनाना है। उन्होंने प्रत्येक बूथ और प्रत्येक वोट पर विशेष ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि चुनाव में जीत का आधार मजबूत बूथ संगठन और सक्रिय कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता मतदाता सूची के पुनरीक्षण से लेकर मतदान दिवस तक अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करे। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया। पार्टी नेतृत्व ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से बाहर न रहे और अपात्र नाम सूची में शामिल न हों। इसके लिए बूथ स्तर पर संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बीएलओ के

साथ समन्वय स्थापित करते हुए घर घर संपर्क अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। बैठक में कहा गया कि त्रुटिरहित मतदाता सूची चुनावी सफलता की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यकर्ताओं से संगठन के जहां कम, वहां हम अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चुनावी सफलता के लिए मजबूत संगठन और बेहतर चुनाव प्रबंधन अनिवार्य है। प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा ताकि पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो और मतदान प्रतिशत में भी वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और इसी आधार पर पार्टी आगामी चुनाव में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि मतदाता सूची को लेकर भाजपा पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाना है, जिसके तहत प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल हो तथा अपात्र नामों को हटाने की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्वाचन आयोग तथा संबंधित संवैधानिक संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में केंद्रीय टीम के सदस्य एवं पूर्व सांसद जमयांग त्सेरिंग नामग्याल तथा प्रकाश तंवर ने भी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया, संगठन की भूमिका, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों तथा चुनावी प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान पदाधिकारियों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए उन्होंने मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाए रखने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं पर भी मार्गदर्शन किया। बैठक में यह भी माना गया कि प्रदेश में भाजपा के पक्ष में अनुकूल राजनीतिक वातावरण है, लेकिन इस माहौल को मतदान में परिवर्तित करना संगठन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसके लिए प्रत्येक बूथ पर सक्रिय संगठन, नियमित जनसंपर्क, मतदाता सूची का सतत सत्यापन और समर्थक मतदाताओं तक सीधा संपर्क स्थापित करने की रणनीति पर विशेष जोर दिया गया। भाजपा की इस संगठनात्मक बैठक को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक के माध्यम से पार्टी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां अब पूरी तरह संगठनात्मक स्तर पर शुरू हो चुकी हैं। सरकार की उपलब्धियों के साथ साथ भाजपा अब बूथ प्रबंधन, मतदाता सूची की शुद्धता, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और मजबूत जमीनी नेटवर्क को अपनी सबसे बड़ी चुनावी ताकत बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। आने वाले महीनों में पार्टी का पूरा फोकस बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सक्रिय, सशक्त और संगठित करने पर रहेगा।

प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से 100 सड़के हुई बंद

देहरादून। प्रदेश में बारिश के बाद सड़कों पर जगह-जगह पत्थर गिरने व मलबा आने से 100 सड़के बंद हैं। इसमें अधिकतर सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों की हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून में 10 ग्रामीण मार्ग बंद हैं। बंद रास्तों को खोलने का प्रयास किया जा रहा है। अल्मोड़ा में पांच, रुद्रप्रयाग में चार, चमोली में 12, पिथौरागढ़ में 14 सड़कें बंद हैं। नैनीताल में हल्द्वानी-भवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामगढ़ पुल के पास मार्ग धसने से भारी वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही है। इस जिले में दो ग्रामीण सड़कें भी बंद हैं। उत्तरकाशी में ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्यानाचट्टी के पास बंद हैं। इस जिले में 10 ग्रामीण मार्ग भी मलबा आने से बंद हैं। इसके अलावा टिहरी जिले के नौ ग्रामीण मार्गों पर भी जगह-जगह मलबा आ गया है। जिससे मार्ग बंद हैं। बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश का सिलसिला रविवार को थमा तो गर्मी का एहसास हुआ। खासकर मैदानी इलाकों में दिन के समय उसम भरी गर्मी ने परेशान किया। वहीं, बारिश न होने की वजह से मैदान से लेकर पहाड़ तक तापमान में इजाफा दर्ज किया गया। उधर मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से सोमवार को प्रदेश के पर्वतीय जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। रविवार सुबह मौसम साफ हुआ तो लोगों ने राहत की सांस ली। दिन चढ़ने के साथ तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिली। आंकड़ों पर नजर डालें तो दून का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री इजाफे के साथ 33.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बीते शनिवार को यह आंकड़ां एक डिग्री नीचे थे। रात का न्यूनतम तापमान भी 24.0 के साथ सामान्य रहा। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार देहरादून समेत रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिले के कुछ इलाकों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

99 करोड़ की विकास योजनाओं को मुख्यमंत्री की मंजूरी

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विभिन्न जनपदों में विकास योजनाओं और निर्माण कार्यों के लिए लगभग 99 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत योजनाओं में स्वास्थ्य, सड़क, पर्यटन, विद्युत, धार्मिक स्थलों के विकास, अग्निशमन सेवाओं, परिवहन तथा आधारभूत सुविधाओं से जुड़े अनेक कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने जनपद नैनीताल के रामनगर में ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक के ऑटोमेशन निर्माण के लिए 3.68 करोड़ रुपये, रुद्रप्रयाग कोषागार के अनावासीय भवन की मरम्मत, रंगरोगन, टाइलिंग, पैनलिंग तथा विद्युतीकरण कार्यों के लिए 38.06 लाख रुपये, पुलिस संचार प्रशिक्षण केंद्र धौरणखास, देहरादून में 150 केएलडी क्षमता के एसटीपी प्लांट एवं साइट विकास के लिए 2.73 करोड़ रुपये तथा बहादराबाद औद्योगिक क्षेत्र में फायर स्टेशन की स्थापना के लिए 9.45 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। चम्पावत विधानसभा क्षेत्र में ककराली टनकपुर से मां पूर्णागिरि धाम तक यात्रा मार्ग पर स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए 5 करोड़ रुपये की स्वीकृति देते हुए प्रथम किश्त के रूप में 2 करोड़ रुपये जारी करने का अनुमोदन किया गया है। वहीं पिथौरागढ़ के डीडीहाट विधानसभा क्षेत्र के लोहारगांव में आंतरिक संपर्क मार्ग निर्माण के लिए 70.87 लाख रुपये की स्वीकृति तथा प्रथम किश्त के रूप में 42.52 लाख रुपये जारी किए जाएंगे। जवाहर नवोदय विद्यालय लटौली, चम्पावत में विद्यार्थियों के लिए ओपन जिम निर्माण हेतु 99.44 लाख रुपये की स्वीकृति देते हुए प्रथम किश्त में 59.66 लाख रुपये जारी करने का निर्णय लिया गया है। पौड़ी जिले के यमकेश्वर क्षेत्र में जानकी पुल से चौरासी कुटिया तक संपर्क मार्ग को बीटल्स स्ट्रीट के रूप में विकसित करने के लिए 85.74 लाख रुपये तथा प्रथम किश्त में 51.44 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। धारचूला विधानसभा क्षेत्र में ग्राम उच्छैदी स्थित नंदा मंदिर से खोली बन तक पैदल मार्ग निर्माण के लिए 81.43 लाख रुपये तथा प्रथम किश्त में 48.85 लाख रुपये जारी करने को मंजूरी दी गई है। लोहाघाट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत डुंगरीफर्तयाल में शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 75 लाख रुपये तथा प्रथम किश्त के रूप में 45 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। कपकोट विधानसभा क्षेत्र की सरयू वैली एवं शामा क्षेत्र में विद्युत उपकेंद्र की स्थापना के लिए 5 करोड़ रुपये तथा प्रथम किश्त में 2 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। मां पूर्णागिरि धाम के सेलागाड़ गांव में इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने के लिए 19.68 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं भीमताल विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा ब्लॉक के कैडाकोट बुग स्थल तथा धारी स्थित मौनीबाग आश्रम में एक एक धर्मशाला निर्माण के लिए 87.95 लाख रुपये तथा प्रथम किश्त में 52.77 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के गोल्डन कार्ड योजना के सुचारू संचालन एवं लंबित देयकों के भुगतान के लिए राज्य बजट से 75 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी प्रदान की है। इसके अलावा ग्रामीण निर्माण विभाग के अंतर्गत राज्य योजना, मुख्यमंत्री घोषणा तथा नाबार्ड योजनाओं के तहत विभिन्न सड़क एवं स्टील ट्रस पुल निर्माण कार्यों के लिए प्रथम किश्त के रूप में 1.37 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अंतर्गत चमोली जिले के नंदानगर विकासखंड की गोखमल्ला ग्राम पंचायत में अनुसूचित जाति बस्ती बगड़ गधेरे पर पैदल पुलिया निर्माण, देवाल के मुन्दोली वाण मोटर मार्ग से भराण गांव मोटर मार्ग के सतह पुनर्लेपन एवं सुधारीकरण तथा पौड़ी जिले के यमकेश्वर विकासखंड की सीला ग्राम पंचायत में सतेड़ नदी पर बनसारी गांव के पास 30 मीटर स्पान स्टील ट्रस पैदल पुल निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने इन सभी कार्यों के लिए प्रथम किश्त जारी किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

सिख मिशनरी कॉलेज के सिलाई कैंप में प्रशिक्षित बालिकाओं को शिल्पी अरोरा ने दिए उपहार

गदरपुर। सिख मिशनरी कॉलेज लुधियाना की गदरपुर इकाई द्वारा वार्ड नंबर 10 के अलावा अन्य क्षेत्रों में चलाए जा रहे निःशुल्क त्रैमासिक सिलाई प्रशिक्षण कैंप का समापन समारोह बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव शिल्पी अरोरा ने प्रशिक्षित बालिकाओं को उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। सिख मिशनरी कॉलेज लुधियाना की गदरपुर इकाई द्वारा पिछले कई वर्षों से समाज के कमजोर वर्ग की बालिकाओं और महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर रहा है। इसी कड़ी में गदरपुर इकाई द्वारा लगभग तीन माह तक चलने वाला सिलाई प्रशिक्षण कैंप लगाया गया था। इस कैंप में क्षेत्र की बड़ी संख्या में बालिकाओं और महिलाओं ने भाग लेकर सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि शिल्पी अरोरा ने कैंप में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सभी बालिकाओं को उपहार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। यदि उन्हें सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वे न केवल अपने परिवार का बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि सिलाई जैसे हुनर से महिलाएं घर बैठे रोजगार शुरू कर सकती हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं। शिल्पी अरोरा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना किसी भी समाज और देश का

विकास संभव नहीं है। सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बेटियों के भविष्य को नई दिशा देते हैं। उन्होंने सिख मिशनरी कॉलेज की गदरपुर इकाई की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था समाज सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। कार्यक्रम के आयोजक देवेन्द्र सिंह ने बताया कि सिख मिशनरी कॉलेज का मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में पिछड़े लोगों की मदद करना है। उन्होंने कहा कि सिलाई कैंप में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बालिकाओं को बेसिक से एडवांस तक सिलाई-कटाई, डिजाइनिंग और मशीन चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। कैंप के दौरान बालिकाओं ने सूट, सलवार,कुर्ती और बच्चों के कपड़े बनाना भी सीखा। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली बालिकाओं ने बताया कि तीन माह के इस कैंप में उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। पहले वे मशीन चलाने से डरती थीं, लेकिन अब वे आसानी से कपड़े सिल सकती हैं। बालिकाओं ने आयोजकों और प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे कैंप समय-समय पर लगते रहने चाहिए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि शिल्पी अरोरा के साथ आयोजक देवेन्द्र सिंह, सोनाली गाबा, किशन गुप्ता, कैंप के प्रशिक्षक, प्रशिक्षित बालिकाएं और उनके अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने बालिकाओं के बनाए हुए वस्त्रों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और उनकी मेहनत की सराहना की।

तीन-तीन एकड़ जमीन नियमित कर दें, मैं भाजपा में शामिल हो जाऊंगा : नारायण पाल

भूमि अधिकारों और स्थानीय युवाओं के रोजगार को लेकर पूर्व विधायक ने दी खुली चुनौती

सितारगंज। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक नारायण पाल ने प्रदेश सरकार पर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के गरीब परिवारों की वर्षों पुरानी भूमि संबंधी समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार सितारगंज क्षेत्र में दशकों से निवास कर रहे इन परिवारों को तीन-तीन एकड़ भूमि नियमित कर उनके अधिकार सुनिश्चित कर देती है तो वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में नारायण पाल ने कहा कि प्रदेश सरकार को गरीब और भूमिहीन परिवारों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खटीमा के बग्गा-चौवन और बिंदुखत्ता जैसे क्षेत्रों में लंबे समय से चले आ रहे भूमि विवादों के समाधान की दिशा में सरकार पहल कर सकती है, तो फिर सितारगंज क्षेत्र के लोका, गौठा, इंद्रियानगर, उकरौली, लक्ष्मीपुरा और कैलाशपुरी जैसे गांवों में रहने वाले सैकड़ों एससी, एसटी और ओबीसी परिवारों की भूमि का नियमितीकरण क्यों नहीं किया जा

सकता। पूर्व विधायक ने कहा कि इन क्षेत्रों के लोग कई दशकों से अपने मकान बनाकर रह रहे हैं, लेकिन आज भी उन्हें भूमि का वैधानिक अधिकार नहीं मिल पाया है। इससे उनके सामने हर समय बेदखली का खतरा बना रहता है और वे सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ भी नहीं उठा पाते। उन्होंने सरकार से मांग की कि इन परिवारों को स्थायी भूमि अधिकार देकर उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान किया जाए। नारायण पाल ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि यदि सरकार वास्तव में गरीबों के हित में काम करते हुए एससी, एसटी और ओबीसी परिवारों को तीन-तीन एकड़ भूमि नियमित कर देती है, तो वह बिना किसी संकोच के कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर लेंगे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य राजनीति नहीं, बल्कि गरीब परिवारों को उनका अधिकार दिलाना है। उन्होंने स्थानीय युवाओं के रोजगार का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सितारगंज क्षेत्र के उद्योगों में स्थानीय युवाओं की लगातार उपेक्षा की जा रही है। सरकार और प्रशासन को इस दिशा में ठोस नीति बनानी चाहिए ताकि क्षेत्र के युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार मिल सके और उन्हें पलायन के लिए मजबूर न होना पड़े। पूर्व विधायक ने कहा कि भूमि अधिकारों की इस लड़ाई में क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता भी समय-समय पर आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे, बब्बू खान, आकाश अंसारी, रणजीत सिंह राणा, अजय सिंह, पूरन सिंह चौहान, समीर मलिक और विक्रम सिंह सहित अन्य लोगों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी का उद्देश्य क्षेत्र के गरीब परिवारों को न्याय दिलाना है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि राजनीतिक लाभ-हानि से ऊपर उठकर वर्षों से लंबित भूमि विवादों का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि सैकड़ों परिवारों को उनके अधिकार मिल सकें और क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं पैदा हों।

नकली करेंसी गिरोह के दो सदस्य पंजाब से गिरफ्तार

1.10 लाख के जाली नोट बरामद

हरिद्वार। कोतवाली नगर पुलिस ने फर्जी करेंसी मामले में कार्रवाई करते हुए पंजाब से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन कुमार निवासी ग्राम शिखर, तहसील डेरा बाबा नानक, थाना कोटली सूरत मल्ली, जिला गुरदासपुर पंजाब और सुखबीर सिंह निवासी भटिक्के, थाना तरसिक्का, जिला अमृतसर पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 1.10 लाख रुपये के नकली नोट, नकली नोट छापने में प्रयुक्त प्रिंटर और एक वरना कार बरामद की है। एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने बताया कि छह जुलाई को हरिद्वार में सरजीत सिंह, टिंकू, सुमित कुमार और संजीव कुमार को 84,500 रुपये के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार कर

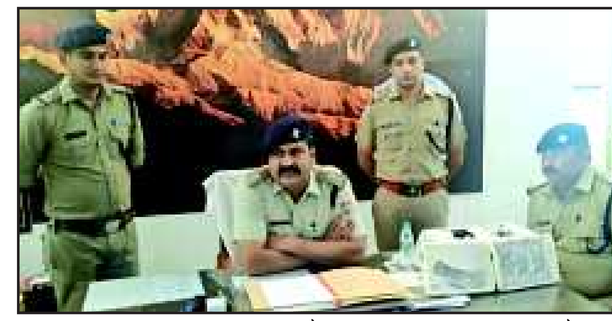

जेल भेजा गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने न्यायालय से टिंकू और सुमित को पुलिस कस्टडी रिमांड में लेकर पूछताछ की।पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर पुलिस टीम पंजाब पहुंची और दोनों आरोपियों को दबोच लिया। जांच में सामने आया कि पवन कुमार ढाबे की आड़ में और सुखबीर सिंह कपड़े के कारोबार की आड़ में नकली नोटों का कारोबार चला रहे थे। दोनों असली 50 हजार रुपये के बदले एक लाख रुपये की नकली करेंसी देकर मोटा मुनाफा कमाते थे। पुलिस ने बताया कि सुखबीर वर्ष 2020 में बैंक धोखाधड़ी और वर्ष 2024 में जाली करेंसी के मामले में जेल जा चुका है, जबकि पवन वर्ष 2022 में एनडीपीएस एक्ट के मामले में जेल गया था।

नवोदय में चयनित हुई अरसला

किच्छा। सिरौली कला वार्ड नंबर-19 निवासी होनहार छात्रा अरसला फातिमा ने जवाहर नवोदय विद्यालय की कक्षा 11 प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय में प्रवेश पाने में सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। अरसला फातिमा ने कक्षा 10 तक की शिक्षा

मौलाना आजाद इंटर कॉलेज से प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष उनकी बड़ी बहन समरा फातिमा ने भी नवोदय विद्यालय की कक्षा 11 प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रवेश प्राप्त किया था। लगातार दो बेटियों की इस सफलता से परिवार बेहद गौरवान्वित है। अरसला के पिता अजीमुद्दीन, जो पेशे से ट्रक चालक हैं, अपनी मेहनत और लगन से बेटियों की शिक्षा में निरंतर सहयोग कर रहे हैं। अरसला के चयन की सूचना मिलते ही कांग्रेस जिला सचिव एन. यू. खान, पूर्व प्रधान सईदुल रहमान सहित कई सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधियों ने उनके घर पहुंचकर बधाई दी और दोनों बहनों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में 85 लोगों ने उठाया लाभ

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा, रुद्रपुर की ओर से रविवार को गोल मार्केट स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 85 लोगों ने नि:शुल्क आयुर्वेदिक परामर्श और औषधियों का लाभ उठाया। इसके साथ ही विभिन्न आयुर्वेदिक उपचार पद्धतियों के माध्यम से मरीजों का उपचार कर उन्हें राहत प्रदान की गई। शिविर के दौरान 10 मरीजों का अग्निकर्म, 18 मरीजों की कपिंग थेरेपी तथा एक मरीज का विशेष आयुर्वेदिक उपचार किया गया। उपचार के बाद कई मरीजों ने तत्काल राहत मिलने की बात कही। शिविर में आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. पवन कक्कड़, डॉ. तनुजा राणा और डॉ. कीर्ति शर्मा ने अपनी सेवाएं प्रदान करते

हुए मरीजों का परीक्षण किया तथा आवश्यक परामर्श और औषधियां उपलब्ध कराईं। वहीं वीरेंद्र, काजल और राजू ने भी शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम में शाखा के हरीश ग्रोवर, संजय राधू, शीशपाल, वीरेंद्र सुखीजा, अभि अग्रवाल, अक्षय माहेश्वरी, लक्ष्य अग्रवाल, मनीषा मित्तल, अंकुर अग्रवाल, विमल अरोरा, सौरभ अग्रवाल, स्नेह राधू और अंजू रामपाल सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर शाखा पदाधिकारियों ने कहा कि भारत विकास परिषद समाज सेवा और जनकल्याण के उद्देश्य से लगातार विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन कर रही है। शिविर की सफलता से उत्साहित शाखा के कार्यकर्ताओं ने भविष्य में आयुर्वेद चिकित्सा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नियमित रूप से नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे और शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ मिल सके।

न्याय परामर्श शिविर का आयोजित कर दी कानूनी जानकारियां

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने के अपने सतत प्रयासों के अंतर्गत अधिवक्ता परिषद, उत्तराखण्ड की ऊधम सिंह नगर इकाई द्वारा रविवार को बालिका विद्या मंदिर जगतपुरा, परिसर में निशुल्क न्याय परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नगरवासियों ने सहभागिता कर अपनी विभिन्न कानूनी समस्याओं पर अनुभवी अधिवक्ताओं से मार्गदर्शन प्राप्त किया।अधिवक्ता परिषद का यह प्रयास केवल कानूनी सलाह प्रदान करने तक सीमित नहीं था, बल्कि समाज में कानूनी जागरूकता, न्याय के प्रति विश्वास एवं नागरिक अधिकारों के प्रति चेतना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। परिषद का मानना है कि न्याय केवल न्यायालयों तक सीमित न रहकर प्रत्येक नागरिक की पहुंच में होना चाहिए और इसी उद्देश्य से परिषद समय-समय पर ऐसे सेवा कार्यों का आयोजन करती है।शिविर में जिला न्यायालय ऊधम सिंह नगर के अनुभवी अधिवक्ताओं ने भूमि एवं संपत्ति विवाद, विद्युत एवं जल संस्थान, पारिवारिक एवं वैवाहिक विवाद, उत्तराधिकार संबंधी विषयों, श्रम एवं रोजगार कानून, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार तथा अन्य विविध कानूनी समस्याओं पर नागरिकों को नि:शुल्क परामर्श प्रदान किया। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम में अधिवक्ता परिषद ऊधम सिंह नगर के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता डी. डी. गुणवंत, महिला प्रमुख श्रीमती सुभाषनी द्विवेदी, जिला महामंत्री अधिवक्ता दुर्गेश मोहन शर्मा, उपाध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष अधिवक्ता विजय प्रजापति, हाई कोर्ट अधिवक्ता अनमोल संधू, अधिवक्ता संजय सिंह सहित अनेक अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वैश्य महासभा के मनोज गुप्ता बने कोषाध्यक्ष

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। वैश्य महासभा के हाल ही में संपन्न हुए चुनाव के बाद संगठन की नई कार्यकारिणी ने कोषाध्यक्ष पद पर भी सर्वसम्मति से मनोज गुप्ता का चयन किया। इससे पूर्व हुए चुनाव में राजीव अग्रवाल अध्यक्ष तथा दिनेश गुप्ता महामंत्री निर्वाचित हुए थे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजीव अग्रवाल और महामंत्री दिनेश गुप्ता की सहमति से मनोज गुप्ता को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। मनोज गुप्ता पूर्व में भोलेनाथ गार्डन वार्ड से पार्षद रह चुके हैं तथा लंबे समय से सामाजिक गतिविधियोंमेंसक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। वैश्य महासभा के वरिष्ठ सदस्यों एवं पूर्व पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी सामाजिक एकता, जनसेवा और समाजहित के

कार्यों को नई गति प्रदान करेगी तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाएगी। नई कार्यकारिणी के गठन पर समाज के अनेक गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं दी जिनमें भगवान सहाय अग्रवाल, रामबाबू जायसवाल, सुशील अग्रवाल, आलोक शारदा, बद्रीप्रसाद गुप्ता, तनुज गुप्ता, मंजू वार्ष्णेय, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, राजेंद्र अग्रवाल मुन्ना, सुरेश केसरवानी आदि शामिल थे।

महिला आरक्षण बिल बिना शर्त लागू करने की उठी मांग

ऐपवा की गोष्ठी में परिसीमन से अलग 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर सरकार को घेरा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। आगामी संसद के मानसून सत्र में महिला आरक्षण बिल 2023 को बिना किसी शर्त लागू करने की मांग को लेकर रविवार को अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन ऐपवा की ओर से एक गोष्ठी आयोजित की गई। वक्ताओं ने महिला आरक्षण को परिसीमन और जनगणना से जोड़ने का विरोध करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल वर्तमान लोकसभा और राज्यसभा सीटों पर 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने की मांग की। गोष्ठी को संबोधित करते हुए ऐपवा की राष्ट्रीय सचिव श्वेता राज ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महिला आरक्षण बिल को परिसीमन से जोड़कर लागू करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़ने के बजाय बिना किसी शर्त तत्काल लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिसीमन का प्रभाव केवल दक्षिण भारत तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में भी प्रतिनिधित्व प्रभावित होगा। उनके अनुसार इससे पर्वतीय क्षेत्रों में जनप्रतिनिधित्व कम होने की आशंका है। ऐपवा की प्रदेश संयोजक शिवानी पांडे ने अंकिता भंडारी हत्याकांड का उल्लेख करते हुए कहा कि लंबे संघर्ष के बाद मामले की सीबीआई जांच तो शुरू हुई, लेकिन छह माह बीतने के बाद भी जांच में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। उन्होंने महिला अपराधों में शीघ्र और

निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने की मांग की। बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड की सदस्य अमनदीप कौर ने कहा कि महिलाओं से जुड़े कानूनों, आयोगों और समितियों में महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि निर्णय लेने वाली समितियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी तो महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अधिक संवेदनशील और व्यावहारिक निर्णय लिए जा सकेंगे। आम आदमी पार्टी की नेता किरन पांडे ने कहा कि महिला सुरक्षा और सम्मान के मुद्दे पर सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए। वहीं उत्तराखंड आशा हेल्थ वर्कर्स यूनियन की प्रदेश उपाध्यक्ष रीता कश्यप ने आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, भोजनमाताओं और फैक्ट्रियों में कार्यरत महिलाओं के आर्थिक शोषण का मुद्दा उठाते हुए उन्हें सम्मानजनक वेतन और श्रम के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। गोष्ठी में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर निर्णय लिया गया कि 20 जुलाई को महिला आरक्षण बिल 2023 को बिना शर्त लागू करने की मांग को लेकर विभिन्न स्थानों पर ज्ञापन सौंपे जाएंगे। इस अवसर पर प्रीति मौर्य, नमिता सरकार, माधवी देवी, पवनदीप कौर, अनिता अन्ना, पुष्पा देवी, ज्योति चंद, श्रीशा, पायल मौर्य, ऐक्टू के प्रदेश महामंत्री के के बोरा, दिनेश तिवारी, रंजन विश्वास, ललित मटियाली, ज्ञानी सुरेन सिंह, धीरज कुमार, मनीष कुमार सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड में ऊधमसिंह नगर यौन उत्पीड़न के मामलों में शीर्ष पर

सरकारी आंकड़े करते हैं इसकी पुष्टि,पिछले कुछ समय में महिला अपराध के 660 मुकदमों में से अकेले उधम सिंह नगर में 374 मामले

-लक्ष्मण बिष्ट-

रुद्रपुर। 'देवभूमि' के नाम से प्रसिद्ध उत्तराखंड का यह मैदानी और औद्योगिक जिला हाल के वर्षों में बच्चियों और युवतियों के खिलाफ बढ़ते जघन्य अपराधों के कारण चिंता का मुख्य केंद्र बन चुका है।पुलिस और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के विभिन्न विश्लेषणों के अनुसार, पूरे कुमाऊं मंडल में महिला व बाल उत्पीड़न के सर्वाधिक मामले अकेले ऊधमसिंह नगर में दर्ज किए जाते हैं। कुमाऊं मंडल पुलिस कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, एक निर्धारित 5 महीने की अवधि में दर्ज महिला अपराध के कुल 660 मुकदमों में से अकेले ऊधमसिंह नगर जिले में सर्वाधिक 374 मामले (लगभग 56%) दर्ज किए गए, जबकि दूसरे स्थान पर रहे नैनीताल में यह संख्या 149 थी।कुमाऊं क्षेत्र के तुलनात्मक पुलिस आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र में दर्ज अधिकांश मामले इसी जिले से आते हैं। वर्ष 2021 की एक अवधि में जिले में बलात्कार के 194 मामले दर्ज किए गए थे, जो राज्य के अन्य पहाड़ी जिलों की तुलना में बेहद चिंताजनक स्तर पर थे।नाबालिगों के खिलाफ अपराध रिपोर्ट के मुताबिक, जिले में पोस्को एक्ट और नाबालिगों से दुष्कर्म के मामलों की संख्या निरंतर बनी हुई है। इसके अतिरिक्त, अनैतिक देह व्यापार के मामलों में भी यह जिला कुमाऊं में सबसे आगे दर्ज किया गया है। हाल ही में रुद्रपुर क्षेत्र में एक 13 वर्षीय नाबालिग बालिका के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की बेहद शर्मनाक घटना सामने आई, जिसके बाद राज्य सरकार और प्रशासन से त्वरित व निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। जिले में पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया जो नाबालिगों को गायब कर उनसे दुष्कर्म और अनैतिक देह व्यापार करवाता था।

पुलिस ने आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता और पोस्को एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की है।जिले के भूरारानी इलाके में एक सौतेले पिता द्वारा ही अपनी 17 वर्षीय बेटी के साथ अश्लील हरकतें करने का मामला दर्ज हुआ है, जो यह दिखाता है कि बेटियां घरों के भीतर भी असुरक्षित महसूस कर रही हैं।उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे होने और औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां की आबादी मिश्रित और अत्यधिक सघन है। फ्लोटिंग पॉपुलेशन (लगातार आने-जाने वाले लोग) अधिक होने से अपराधियों को छिपने और भागने का मौका आसानी से मिल जाता है।ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में रहने वाले कई मजदूर और कम आय वर्ग के परिवारों में बेटियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार को शुरुआत में सामाजिक बदनामी के डर से दबा दिया जाता है, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।जिले में साइबर यौन अपराध के मामले भी तेजी से बढ़े हैं, जिसमें किशोरियों को ऑनलाइन जाल में फंसाकर उनका शारीरिक व मानसिक शोषण किया जाता है।बढ़ते अपराधों को देखते हुए उत्तराखंड पुलिस और महिला आयोग की सक्रियता बढ़ी है। जिले में मानव तस्करी और नाबालिगों को बचाने के लिए विशेष टीमों को सक्रिय किया गया है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल स्वयं पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें कानूनी सहायता दिलाने और आरोपियों को फास्ट-ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कठोरतम सजा दिलाने के लिए पैरवी कर रही हैं। स्थानीय सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा सुरक्षा व्यवस्था और पुलिसिंग को मजबूत करने की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन किए जा रहे हैं। ऊधमसिंह नगर में बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केवल कड़े कानून ही काफी नहीं हैं, बल्कि पुलिस गश्त बढ़ाने, स्कूल-कॉलेजों में सुरक्षा और काउंसलिंग सत्र आयोजित करने तथा बालिकाओं की छुट्टी के समय सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती तथा समाज को अपनी बेटियों के प्रति अधिक संवेदनशील और जागरूक बनाने की तत्काल आवश्यकता है।

विकास कार्यों को लेकर दीपक बाली ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

काशीपुर(उद संवाददाता)। महापौर दीपक बाली ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके सचिवालय स्थित कार्यालय में मुलाकात कर काशीपुर नगर निगम क्षेत्र में प्रस्तावित विभिन्न विकास योजनाओं के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया । महापौर ने मुख्यमंत्री को दिए गए पत्रों में नगर निगम की लंबित परियोजनाओं का विस्तृत ब्यौरा देते हुए कहा कि इन योजनाओं के शीघ्र अनुमोदन से शहर के विकास को नई गति मिलेगी और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। महापौर द्वारा मुख्यमंत्री श्री धामी को पत्र देकर अनुरोध किया गया कि पूर्व में उनके द्वारा की गई घोषणाओं केअंतर्गत विभिन्न विकास योजनाओं के साथ-साथ शहर में पांच वेंडिंग जोन के निर्माण, डोग शेल्टर होम, 17 नए वार्डों में सड़क, नाला एवं नाली निर्माण, ढेला पुल के पास व्यावसायिक परिसर का निर्माण, अवस्थापना निधि से स्वीकृत कार्यों में संशोधन तथा अतिरिक्त धनराशि जारी की जाए। पत्र में नगर निगम क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए एलईडी आधारित

कार्यों, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं, गौशाला निर्माण, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सी एंड डी वेस्ट) प्रबंधन प्लांट तथा इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) की स्थापना के प्रस्तावों को भी शीघ्र स्वीकृति देने की भी कृपा की जाय। महापौर ने एक और पत्र में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित 30.52 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर भी मुख्यमंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित किया गया । इसमें शहर में यांत्रिक सड़क सफाई (मैकेनिकल स्वीपिंग), जनजागरूकता अभियान, मियावाकी पद्धति से डिवाइडरों पर पौधारोपण, सड़क किनारे हरित पट्टियों का विकास तथा अन्य पर्यावरणीय कार्यों के लिए अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया । मुख्यमंत्री श्री धामी से मुलाकात के दौरान महापौर ने यह भी अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत स्वीकृत राशि का एक हिस्सा अभी अवमुक्त होना शेष है। उन्होंने अनुरोध किया कि लंबित धनराशि शीघ्र जारी की जाए, ताकि प्रस्तावित कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जा सकें। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद महापौर दीपक बाली ने कहा की उनकी मुलाकात काफी सार्थक रही और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यशस्वी एवं युवा हृदय सम्राट तथा विकास की दूरदर्शी सोच रखने वाले मुख्यमंत्री श्री धामी के सहयोग और शीघ्र निर्णय से काशीपुर में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी, नगर की आधारभूत संरचना मजबूत होगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा।

मित्तल ने लोगों को भोजन वितरित कर मनाया जन्मदिन

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। भाजपा नेता प्रमोद मित्तल एडवोकेट के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा शहर में निरंतर जनसेवा अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन जरूरतमंद, गरीब एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित किया जाता है। सेवा, समर्पण और मानवता के उद्देश्य से चल रहे इस अभियान से जुड़कर लोग अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। रविवार को भाजपा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति शर्मा, प्रियंका मेडिकल स्टोर के स्वामी संजीव कुमार, समाजसेवी जुगनू अरोड़ा एवं ठाकुर गौरव सोलंकी ने अपने जन्मदिन पर जनसेवा अभियान में सहभागिता करते हुए अपने हाथों से जरूरतमंद लोगों को

भोजन वितरित किया। प्रमोद मित्तल ने कहा जनसेवा किसी एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि समाज के प्रति निरंतर जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम बिना किसी भेदभाव के लंबे समय से जरूरतमंद लोगों की सेवा में समर्पित है और आगे भी यह अभियान पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस जनसेवा अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।जनसेवा अभियान में कपिल अग्रवाल, राजकुमार सीकरी, राजेश कामरा, सुनील पचौरी, अजय शर्मा, राजीव कामरा, कुशल अग्रवाल, प्रमोद यादव, अनुज गर्ग, शुभ कामरा, गौरव सोलंकी, दिव्यांशी पचौरी, मनीष मित्तल एडवोकेट, जुगनू अरोड़ा, स्वाति शर्मा, रवि अग्रवाल आदि ने सहयोग किया।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विधायक सुमित ने की बैठक

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के राष्ट्रव्यापी अभियान "छात्रों की गूंज" के अंतर्गत आगामी 17 जुलाई को देहरादून में आयोजित होने वाले छात्र-युवा संवाद कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को विधायक सुमित हृदयेश की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, संगठनात्मक तैयारियों, जिम्मेदारियों के निर्धारण, परिवहन व्यवस्था एवं अधिक से अधिक छात्र-युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। विधायक सुमित ने कहा कि "छात्रों की गूंज" केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं और विद्यार्थियों की आवाज को सीधे सुनने एवं उनके विचारों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने

कहा कि आज का युवा शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, नवाचार, उद्यमिता तथा अपने भविष्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखना चाहता है और इस कार्यक्रम के माध्यम से उसे खुलकर अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम पूर्णतः गैर-राजनीतिक है। इसमें किसी भी प्रकार की राजनीतिक चर्चा नहीं होगी, बल्कि छात्रों के भविष्य, उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं पर सार्थक संवाद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में 30 वर्ष से कम आयु के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है तथा सभी विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। विधायक सुमित ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क कर अधिक से अधिक छात्र-युवाओं को कार्यक्रम से जोड़ने का आह्वान किया, ताकि उत्तराखंड के विद्यार्थी बड़ी संख्या में इस महत्वपूर्ण संवाद का हिस्सा बन सकें। इस दौरान महानगर कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष मधु सांगुड़ी, हेमंत बगड़वाल, हरीश मेहता, एन.बी. गुणवंत, मोहन सिंह बिष्ट, हेम पांडे, जाकिर हुसैन, जगमोहन बगड़वाल, गोविंद बगड़वाल, सुहैल अहमद सिद्दीकी, पुष्पा सम्मल, कमला सनवाल, राजो टंडन, विमला सांगुड़ी, भागीरथी बिष्ट, भगवती बिष्ट, मलय बिष्ट, पार्षद पंकज त्रिपाठी, हेमंत साहू, मुकुल बल्यूटिया, मो. गुफरान, नितिन भट्ट, मनु गोस्वामी, लक्ष्मीकांत आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन से मोबाइल झपटने का प्रयास, आरोपी दबोचा

गूलरभोज (उद संवाददाता)। गूलरभोज रेलवे स्टेशन पर रविवार दोपहर चलती पैसेंजर ट्रेन से एक यात्री का मोबाइल झपटने का प्रयास कर रहे एक युवक को लोगों की सतर्कता से मौके पर ही पकड़ लिया गया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को रेलवे अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार बदायूं जिले के कछला सरोता निवासी पप्पू पैसेंजर ट्रेन से अपनी बेटी से मिलने बाजपुर जा रहे थे। यात्रा के दौरान उन्होंने अपना मोबाइल फोन सीट के पास चार्जिंग पर लगाया हुआ था। जैसे ही ट्रेन लालकुआं से चलकर गूलरभोज रेलवे स्टेशन पहुंची, प्लेटफार्म पर खड़े एक युवक ने खिड़की से हाथ डालकर उनका मोबाइल फोन खींच लिया। मोबाइल छीने जाने पर पप्पू तुरंत ट्रेन से नीचे उतरे और आरोपी के पीछे दौड़ पड़े। इसी दौरान आरोपी के साथी ने उन्हें धक्का देकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन शोरगुल सुनकर स्टेशन पर मौजूद लोगों ने एक युवक को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी मेघा शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम भूपेंद्र निवासी टोपा कॉलोनी, बाजपुर बताया। उसका साथी अल्ताफ मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले की सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को देने के साथ ही पकड़े गए आरोपी को रेलवे स्टेशन अधीक्षक जेपी मीणा के सुपुर्द कर दिया। मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

बीच सड़क पर मारपीट का वीडियो वायरल

काशीपुर । कुंडेश्वरी क्षेत्र में एक युवक की बीच सड़क पर मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में तीन से चार युवक एक युवक को रोककर उसके साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। मारपीट के दौरान आरोपी युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए घटना का वीडियो भी बनाते नजर आ रहे हैं। पीड़ित युवक काशीपुर से अपने घर कुंडेश्वरी लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में कुछ युवकों ने उसे रोक लिया और कथित रूप से गाली-गलौज करने के बाद उसकी पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद राहगीरों ने हस्तक्षेप कर युवक को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि समय पर बीच-बचाव नहीं होता तो घटना और गंभीर हो सकती थी। घटना के बाद पीड़ित ने थाना आईटीआई में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायत में उसने आरोप लगाया कि बिना किसी कारण उसके साथ मारपीट की गई और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर उसकी प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाया गया। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने वायरल वीडियो और शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। एएसपी काशीपुर स्वप्न किशोर सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है जांच कराई जाएगी।

रुद्रपुर के विकास को आइना दिखाती सिडकुल की जर्जर सड़कें

आने वाली बरसात में हो सकता है खतरा,हल्की सी बारिश होते ही तालाब का रूप ले लेती है सड़कें

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। औद्योगिक हब के रूप में स्थापित सिडकुल की जर्जर और बदहाल सड़कें शहर के औद्योगिक दावों और जमीनी हकीकत के बीच के बड़े अंतर को उजागर करती हैं। एक तरफ जहां रुद्रपुर को उत्तराखंड का प्रमुख औद्योगिक हब माना जाता है, वहीं दूसरी तरफ बुनियादी ढांचे की यह बदहाली स्थानीय निवासियों, श्रमिकों और उद्यमियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है।उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले का मुख्यालय रुद्रपुर, राज्य के सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक है। सिडकुल (स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड) की स्थापना के बाद से इस क्षेत्र को उत्तराखंड का औद्योगिक प्रवेश द्वार कहा जाने लगा। देश-विदेश की बड़ी कंपनियों ने यहाँ अपनी इकाइयाँ स्थापित कीं, जिससे रोजगार और राजस्व में भारी उछाल आया। लेकिन आज इसी औद्योगिक हब की जीवनरेखा कही जाने वाली सड़कें व्यवस्था की बेरुखी और प्रशासनिक उदासीनता का जीता-जागता प्रमाण बन चुकी हैं।सिडकुल क्षेत्र की नई बस्ती सिडकुल रोड, शांति कॉलोनी और इसके आसपास के औद्योगिक मार्ग वर्तमान में बेहद जर्जर स्थिति में हैं। चमचमाती फैक्ट्रियों और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के दावों के बीच, इन सड़कों पर कदम रखते ही विकास के बड़े-बड़े दावों की हवा निकल जाती है। उखड़ी हुई गिट्टियाँ, डामर का नामोनिशान मिट जाना और लगातार बढ़ते गहरे गड्ढे अब इस क्षेत्र की स्थायी पहचान बन चुके हैं। सिडकुल रोड और स्थानीय कॉलोनियों में जल निकासी (ड्रेनेज) की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है।

हल्की सी बारिश होते ही पूरी सड़क तालाब का रूप ले लेती है, जिससे गड्ढों की गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है।टूटी सड़कों के कारण आए दिन ई-रिक्शा, दुपहिया वाहन और श्रमिकों को ले जाने वाली गाड़ियां असंतुलित होकर पलट रही हैं। कई लोग और स्कूली बच्चे इन हादसों में चोटिल हो रहे हैं।खराब सड़कों के कारण भारी मालवाहक वाहनों (ट्रकों) की रफ्तार धीमी हो जाती है। समय पर कच्चा माल न पहुँचने और तैयार उत्पाद की डिलीवरी में देरी होने से उद्योगों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ता है। इसके अलावा, वाहनों में बार-बार होने वाली टूट-फूट से मेंटेनेंस का खर्च भी बढ़ जाता है।जर्जर सड़कों और नारकीय स्थिति से तंग आकर स्थानीय निवासियों और श्रमिकों का गुस्सा लगातार फूट रहा है। लोग लगातार नगर निगम और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। स्थानीय प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अधिकारी हर बार श्दो-चार दिन में काम शुरू करानेश का केवल खोखला आश्वासन देते हैं, लेकिन धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती।एक तरफ सरकार जहां लगभग घ100 करोड़ की लागत से 22 किलोमीटर लंबे रुद्रपुर बाईपास और आधुनिक रिंग रोड जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स बनाकर कनेक्टिविटी सुधारने का दावा करती है, वहीं शहर के भीतर स्थित इन आंतरिक और औद्योगिक मार्गों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। रुद्रपुर का सिडकुल क्षेत्र केवल कंपनियों का समूह नहीं है, बल्कि यह उत्तराखंड की आर्थिक रीढ़ है। यदि इस रीढ़ की सड़कों को ही नजरअंदाज कर दिया जाएगा, तो नए निवेशकों को आकर्षित करना और पुराने उद्योगों को बचाए रखना मुश्किल हो जाएगा। प्रशासन को केवल कागजी वादों और क्षणिक पैचवर्क (गड्ढे भरने के नाम पर खानापूर्ति) से ऊपर उठकर काम करना होगा। सिडकुल की सड़कों का आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम के साथ पूरी तरह से पुनर्निर्माण किया जाना बेहद जरूरी है। जब तक धरातल पर पक्की और टिकाऊ सड़कें नहीं बनेंगी, तब तक रुद्रपुर का विकास अधूरा और खोखलाही नजर आएगा।

गुरु विरजानंद दांडी स्मृति यज्ञशाला का लोकार्पण

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।आर्य समाज हल्द्वानी के अंतर्गत गुरु गिरजानंद दंडी यज्ञशाला का लोकार्पण धूमधाम से संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि संत स्वामी गुरुकुलानंद सरस्वती कच्चाहरी ने यज्ञशाला के लोकार्पण की विधि संपन्न की। अतिथि कच्चाहरी बाबा ने कहा कि यज्ञ एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें यज्ञशाला का विशेष महत्व होता है, यज्ञ से अनेक रोगों का नाश होता है, एक चिकित्सा अधिकारी रहते हुए उन्होंने अनेक गंभीर बीमारियों का इलाज यज्ञ के माध्यम से किया है। यह विचार सारे विश्व में प्रचारित होना चाहिए कि यज्ञ केवल धार्मिक क्रिया नहीं अभी तो वैज्ञानिक प्रक्रिया है। नवनिर्मित यज्ञशाला में प्रोव विनय विद्यालंकार के ब्रह्मत्व में विशेष यज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें नगर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने यजमान बनकर आहुतियां दी। जिनमें डॉ विनय खुल्लर, नीरज शारदा, भूमेश अग्रवाल, राजीव आर्य, रणजीत यादव,अमित भारद्वाज, कर्नल निर्मल पाण्डेय, अनुजकान्त खण्डेलवाल, कृष्णकांत अग्रवाल, हरिशचन्द्र पन्त, आदि सपत्नीक यजमान बने।उत्तराखंड प्रांत की सभा के अध्यक्ष सुधीर गुलाटी, मंत्री मयंक गुप्ता एवं अन्य पदाधिकारी कार्यक्रम में पधारे। प्रांतीय सभा की बैठक भी इस अवसर पर संपन्न हुई। प्रदेश के प्रतिनिधियों ने प्रांतीय बैठक के माध्यम से अनेक विषयों पर चर्चा कर आर्यसमाज के कार्य को बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान राजकुमार राजोरिया, आचार्य विनोद कुमार, कैप्टन प्रकाश जोशी, नानक चंद आर्य, महावीर प्रसाद आर्य, डीपी यादव, रणजीत यादव, श्रीमती कमलेश भारद्वाज, श्रीमती मनजीत वालिया, श्रीमती संगीता आर्य, श्रीमती स्नेह लता खट्टर, प्रकाश मासीवाल, चंदन शर्मा, प्रदीप बिष्ट, हेमंत बगडवाल आदि उपस्थित रहे।

साहिल अरोरा को स्वर्णजीत कौर का समर्थन

राजेश शुक्ला की पहल के बाद तराई विकास संघ चुनाव में बदले समीकरण

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। तराई विकास संघ लिमिटेड, रुद्रपुर के चुनाव में रुद्रपुर वार्ड से संचालक पद की प्रत्याशी स्वर्णजीत कौर ने पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के प्रयासों और पहल के बाद अपना समर्थन साहिल अरोरा को देने की घोषणा कर दी है। इस समर्थन के बाद रुद्रपुर वार्ड से संचालक पद पर साहिल अरोरा की जीत की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि तराई विकास संघ जैसी प्रतिष्ठित संस्था के चुनाव में व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर संस्था और क्षेत्र के व्यापक हितों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। उन्होंने स्वर्णजीत कौर के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम संगठनात्मक एकता को मजबूत करने के साथ संस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राजेश शुक्ला ने कहा कि साहिल अरोरा एक ऊर्जावान, कर्मठ और समाजहित के प्रति समर्पित युवा हैं। उन्हें विश्वास है कि संचालक निर्वाचित होने के बाद वह संस्था की गरिमा बनाए रखते हुए किसानों, सदस्यों और क्षेत्र के हितों के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव स्वस्थ परंपरा का प्रतीक हैं, लेकिन चुनाव संपन्न होने के बाद सभी को मतभेद भुलाकर संस्था की मजबूती और विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। स्वर्णजीत कौर द्वारा दिया गया समर्थन इसी सकारात्मक सोच का परिचायक है। पूर्व विधायक ने स्वर्णजीत कौर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके इस निर्णय से संगठनात्मक एकता को नई मजबूती मिलेगी और तराई विकास संघ लिमिटेड के विकास को नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने साहिल अरोरा को अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वह सभी सदस्यों की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए संस्था के हित में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। साहिल अरोरा ने स्वर्णजीत कौर के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी साथियों के विश्वास के लिए वह कृतज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि संस्था के हित सर्वोपरि हैं और संचालक के रूप में जो भी दायित्व मिलेगा, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ किया जाएगा।

छात्राओं को दी कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आर्य कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊधमसिंह नगर की ओर से काशीपुर बाईपास स्थित आर्य कन्या इंटर कॉलेज में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राधिकरण की सचिव ममता पंत ने छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम, महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। ममता पंत ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, दुर्व्यवहार या उत्पीड़न की घटना होने पर चुप रहने के बजाय तत्काल शिकायत दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने छात्राओं को बताया कि ऐसी परिस्थितियों में पुलिस, महिला हेल्पलाइन तथा अन्य संबंधित माध्यमों से सहायता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने न्यायालय और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को न्याय प्राप्त करने का अधिकार है। उन्होंने पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि यदि 18 वर्ष से कम आयु के किसी बालक या बालिका के साथ किसी प्रकार की यौन उत्पीड़न अथवा अन्य आपराधिक घटना होती है तो पुलिस पॉक्सो अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई करती है। उन्होंने बताया कि छेड़छाड़ अथवा यौन अपराध के मामलों में 18 वर्ष से कम आयु की पीड़ित बालिकाओं को आवश्यकता पड़ने पर वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से सुरक्षा, परामर्श और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कार्यक्रम में एसके श्रीवास्तव ने छात्राओं को उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में छात्राओं से नशे से दूर रहने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आहवान भी किया गया। इस दौरान पीएलवी सोनी, पूजा, अंकित त्रिपाठी, एसके श्रीवास्तव, सचिन महोदिया सहित विद्यालय का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

युवती का पीछा करने वाला मनचला गिरफ्तार

हल्द्वानी ।चोरगलिया थाना पुलिस ने युवती का पीछा कर उसे धमकाने वाले एक मनचले युवक को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष चोरगलिया तारा सिहं राणा के नेतृत्व में चोरगलिया पुलिस द्वारा ऑपरेशन प्रहार के तहत महिलाओ की सुरक्षा के प्रति चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत एक मनचलेटी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त मोहम्मद अली पुत्र उस्मान शाह निवासी ग्राम बसेंगा तहसील रतना थाना नबावगंज जिला बरेली उप्र हाल निवासी वार्ड नं0 08 गौजाजाली थाना बनभूलपुरा युवती का लगभग 02 माह से पीछा कर गन्दे-गन्दे इशारे कर, रास्ता रोककर हाथ पकङना व विरोध करने पर गाली गलौच करना व जान से मारने की धमकी दे रहा था। जिसे लोगो द्वारा पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

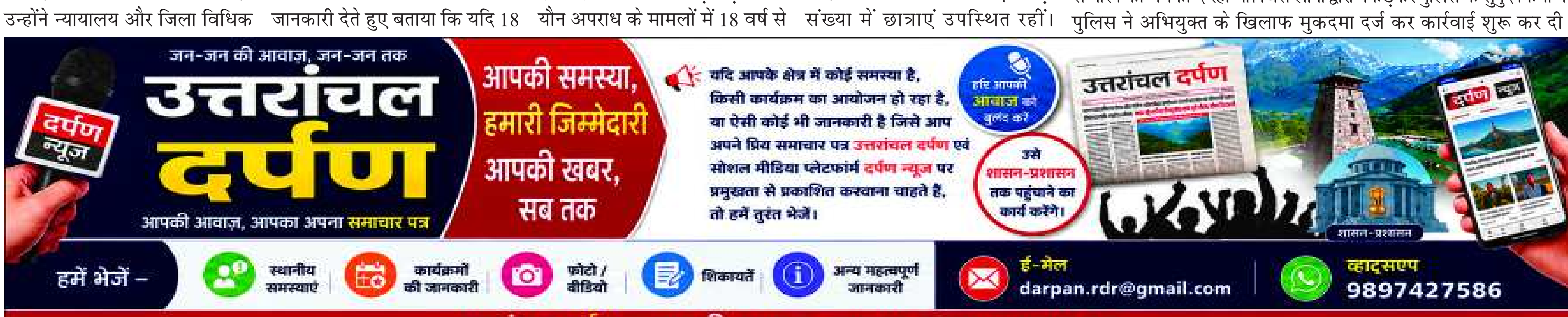

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय — सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

शिक्षकों की कमी

शिक्षा का अर्थ केवल किसी विषय के ज्ञान का संग्रह नहीं, बल्कि बौद्धिक कौशल, विश्लेषणात्मक सोच तथा व्यावहारिक, सामाजिक और भावनात्मक क्षमताओं का विकास है। इसका जिम्मा शिक्षक के कंधों पर होता है, जो विद्यार्थी के भविष्य का निर्माण करता है। इसके लिए विद्यालयों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की संख्या के बीच सही अनुपात होना भी जरूरी है, क्योंकि इसी से तय होता है कि शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर कैसा होगा।मगर सरकार के ताजा आंकड़ों पर गौर करें, तो स्थिति चिंताजनक नजर आती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की 'यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफार्मेशन सिस्टम फार एजुकेशन प्लस' 2025-26 की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में एक लाख से अधिक विद्यालय ऐसे हैं, जहां केवल एक ही शिक्षक तैनात है। इससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि इन विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता कैसी होगी। रिपोर्ट में एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि वर्ष 2023-24 और 2025-26 के बीच सरकारी विद्यालयों के दाखिले में करीब 86 लाख की कमी दर्ज की गई है। सरकार के ये आंकड़े न केवल शिक्षा की गुणवत्ता, बल्कि शिक्षा में समानता पर भी सवाल खड़े करते हैं। जाहिर है कि सरकारी विद्यालयों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे ही दाखिला लेते हैं और अगर शिक्षकों की कमी के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है, तो यह उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित कर देता है। सरकार का तर्क है कि एक ही शिक्षक के सहारे संचालित किए जा रहे विद्यालयों की संख्या में वर्ष 2025-26 में उससे पहले के वर्ष की तुलना में कुछ कमी आई है, लेकिन क्या यह मामूली सुधार संतोषजनक स्थिति के लिए काफी है? किसी विद्यालय में एक ही शिक्षक का होना यह दर्शाता है कि सरकार की शिक्षा नीति में खामियां हैं, जिनका खमियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सरकारी विद्यालयों में जहां बच्चों के दाखिले में कमी आ रही है, वहीं वर्ष 2023-24 और 2025-26 के दौरान निजी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या में 88 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी विद्यालयों पर आम लोगों का भरोसा कमजोर हो रहा है और सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

चोरी का खुलासा, एक दबोचा

सितारगंज। राजकीय विद्यालय में सीसीटीवी कैमरा तोड़कर चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से चोरी हुई स्पे मशीन बरामद की गई हैं। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुंवरपुर के बंद परिसर का ताला तोड़कर विद्यालय से चोर स्प्रे मशीन चुरा ले गया। चोर ने विद्यालय में लगा सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया। प्रधानाचार्य विकाश पाण्ड्य द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी। मुखबिर की सूचना पर कोतवाल सुंदरम शर्मा, वरिष्ठ उप निरीक्षक जावेद मलिक, कस्बा इंचार्ज कैलाश देव, सिपाही भुवन, अशोक बोरा की टीम ने आरोपी रोशन लाल पुत्र रामशकल, निवासी ग्राम गोठा, को बेगुल डाम जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से विद्यालय से चोरी की गई स्प्रे मशीन बरामद हुई हैं।

ग्रीस की राजदूत से मिले सांसद प्रतिनिधि डॉ. कपिल शर्मा

भारत ग्रीस संबंधों, सांस्कृतिक सहयोग, पर्यटन और निवेश पर हुई चर्चा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सांसद प्रतिनिधि डॉ. कपिल शर्मा ने रामपुर के पूर्व मंत्री एवं नवाब काजिम अली खान उर्फ नवेद मियां के साथ भारत में ग्रीस की राजदूत अलिकी कुत्सोमितोपोलू से शिष्टाचार भेंट की। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई इस मुलाकात में भारत और ग्रीस के ऐतिहासिक संबंधों, सांस्कृतिक आदान प्रदान, पर्यटन, शिक्षा, निवेश तथा आपसी सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर डॉ. कपिल शर्मा ने भारतीय परंपरा के अनुरूप ग्रीस की राजदूत का स्वागत एवं सम्मान करते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति और अतिथि देवो भवः की भावना से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भारत और ग्रीस विश्व की दो प्राचीन सभ्यताएं हैं, जिनके बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संवाद दोनों देशों के बीच मित्रता और सहयोग को नई दिशा प्रदान करते हैं। भेंट के दौरान पूर्व मंत्री एवं नवाब काजिम अली खान द्वारा आयोजित आम महोत्सव भी आकर्षण का केंद्र रहा। महोत्सव में ग्रीस की राजदूत और डॉ. कपिल शर्मा ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से लाई गई दुर्लभ और उत्कृष्ट प्रजातियों के आमों का स्वाद लिया। राजदूत ने भारतीय आमों की विविधता, गुणवत्ता और स्वाद की

सराहना करते हुए कहा कि भारत की कृषि परंपरा और फलों की विविधता वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारतीय संस्कृति और आतिथ्य का उत्कृष्ट परिचय कराते हैं। पूर्व मंत्री एवं नवाब काजिम अली खान ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ साथ विभिन्न देशों के बीच आपसी समझ, मित्रता और सांस्कृतिक संवाद को भी सशक्त बनाने का माध्यम हैं। कार्यक्रम में डॉ. कपिल शर्मा अपने परिवार सहित उपस्थित रहे। इसके अलावा काशिफ खान, शमशाद खान सहित अनेक गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। सभी ने ग्रीस की राजदूत का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कपिल शर्मा ने पूर्व मंत्री एवं नवाब काजिम अली खान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों और आतिथ्य के कारण ग्रीस की राजदूत के साथ यह महत्वपूर्ण एवं सार्थक मुलाकात संभव हो सकी। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रम भविष्य में भारत और ग्रीस के बीच मैत्री, सांस्कृतिक आदान प्रदान तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे।

महिला आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर ऐपवा ने फूंका बिगुल

लालकुआं (उद संवाददाता)। संसद के आगामी मॉनसून सत्र में महिला आरक्षण बिल को बिना शर्त लागू करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन ऐपवा की ओर से कार रोड चौराहा बिंदुखत्ता में एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में वक्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए इसे महिलाओं के अधिकारों के साथ खिलवाड़ करार दिया। ऐपवा की राष्ट्रीय सचिव श्वेता राज ने कहा कि केंद्र सरकार महिला आरक्षण देने के नाम पर टालमटोल कर रही है। बिल को परिसीमन से जोड़कर पूरे देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का प्रयास किया जा रहा है। पिछले सत्र में विपक्ष और महिला संगठनों के विरोध के चलते सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा था। उन्होंने आह्वान किया कि इस बार पूरे देश में एकजुट होकर दबाव बनाने की आवश्यकता है ताकि महिला आरक्षण बिल को बिना शर्त लागू कराया जा सके।

उत्तराखंड संयोजक डॉ शिवानी पाण्डेय ने कहा कि महिला संगठनों की स्पष्ट मांग है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे पहले होने वाले विधानसभा चुनावों में आरक्षण अनिवार्य रूप से लागू हो। उन्होंने राज्य में परिसीमन के आधार पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसे जनसंख्या के बजाय क्षेत्रफल के आधार पर किया जाना चाहिए, अन्यथा पर्वतीय क्षेत्रों की समस्याएं गौण हो जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराधों को न्याय का मामला बनाने के बजाय सांप्रदायिक रंग देने में जुटी है। जिला संयोजक विमला रौथाण ने अंकिता भंडारी हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि बेटी बचाओ का नारा देने वाली सरकार आरोपियों के साथ खड़ी नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड महिलाओं के लिए असुरक्षित होता जा रहा है। निर्मला शाही ने भी राज्य में महिलाओं के प्रति बढ़ते उत्पीड़न पर चिंता जताई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 20 और 21 जुलाई को पूरे देश में प्रदर्शन किए जाएंगे। इसी क्रम में 21 जुलाई को लालकुआं तहसील में धरना- प्रदर्शन कर केंद्रीय कानून मंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस दौरान श्वेता राज, डॉ शिवानी पाण्डेय, विमला रौथाण, निर्मला शाही, शशि गड़िया, अनीता अन्ना, मेहरुनिशा, रुखसाना, आरती, डॉ कैलाश पाण्डेय, कमल जोशी, नैन सिंह कोरंगा और धीरज कुमार व अनेक लोग उपस्थित रहे।

परिवर्तन का वाहक बनेगा क्वांटम कंप्यूटर

भविष्य में क्वांटम तकनीक संचार और गणित में तेजी लाने के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था, रक्षा, स्वास्थ और वित्त के क्षेत्र में बड़े बदलाव की वाहक बनने जा रही है। भारत ने इस क्षेत्र में अपनी ताकत बढ़ाने की दृष्टि से 2023 में ही 'राष्ट्रीय क्वांटम मिशन' की शुरूआत कर दी है। इसका लक्ष्य देश में क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम संचार, क्वांटम सेंसर और क्वांटम पदार्थों पर अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इस अभियान के लिए हजारों करोड़ों रुपए का प्रावधान किया गया है, ताकि भारत इस उभरती हुई तकनीक की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे न रह जाए। जिस तरह से इंटरनेट की सुविधा हासिल होने के बाद दुनिया डिजिटल संचार मानचित्र में बदल गई, उसी तरह क्वांटम तकनीक भी भविष्य में हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को गहराई से प्रभावित कर सकती है। इसलिए यह तकनीक केवल वैज्ञानिकों की ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को तय करने का मापदंड साबित हो सकती है। क्योंकि भारत में 28 से 35 आयु वर्ग के युवाओं की संख्या 65 प्रतिशत और 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं की संख्या 27 फीसदी है। दुनिया में इस समय दिन दूनी रात चौगुनी गति से प्रगति हो रही है। कुछ समय पहले तक असंभव सी लगने वाली चीजें आज प्रौद्योगिकी की मदद से सरलता से परिणाम तक पहुंच रही हैं। एक समय संगणक के विकास ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किया था। अब कृत्रिम बौद्धिकता ;आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द ने चिकित्सा से लेकर हथियारों के निर्माण तक हर क्षेत्र में कंप्यूटर और रोबोट के प्रयोग को नया आयाम दिया है। पारंपरिक कंप्यूटर की दुनिया में इस प्रगति के समानांतर एक और अनुसंधान चल रहा है, जिसका नाम है क्वांटम कंप्यूटिंग यानी अति.सूक्ष्मता का विज्ञान।भारत ने भी अब इस क्षेत्र में गति लाने का ऐलान कर दिया है।भौतिक.शास्त्र के क्वांटम सिद्धांत पर काम करने वाली इस कंप्युटिंग में असीमित संभावनाएं देखी जा रही हैं। शोध के लिहाज से यह विषय किसी के लिए भी रुचि का विषय हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार एक पूर्ण विकसित क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता सुपर कंप्यूटर से भी ज्यादा आंकी जा रही है। इस क्वांटम कंप्यूटिंग या मैकेनिक्स की खास बात यह है कि इसकी शुरुआत के बाद भारतीय और पश्चिमी वैज्ञानिक यह मान रहे हैं कि भारतीय भाववादी सिद्धांत को जाने बिना अणु या कण में चेतना का आकलन नहीं किया जा सकता।क्वांटम भौतिकी और कृत्रिम बौद्धिकता एक तरह से चेतना के भाववादी सिद्धांत को ही अस्तित्व में लाने के उपाय हैं। क्वांटम कंप्यूटिंग या यांत्रिकी एक लैटिन शब्द है। इसका अर्थ अतिसूक्ष्म कण है। इस विषय के अंतर्गत पदार्थ के अति सूक्ष्म कणों का अध्ययन किया जाता है। इनमें परमाणु न्यूक्लियस एवं इलेक्ट्रॉन व प्रोटॉन सभी मौलिक कणों का अध्ययन शामिल है। इसमें इनके व्यवहार और उपयोगिता का अध्ययन किया जाता है। इस नवीन विषय के अध्ययन की नींव 1890 में वैज्ञानिक मैक्स प्लांक ने डाली थी। हालांकि इस समय तक वैज्ञानिक यह मानकर चल रहे थे कि भौतिकी में जितने नियमों का आविष्कार होना था, लगभग हो चुका है। अब केवल इन नियमों को प्रत्येक जगह क्रियान्वित करना भर शेष है। किंतु कुछ प्रश्न तब भी ऐसे थे, जिनके हल खोजे नहीं जा सके थे। अभी तक काले पिंड के सतत वर्णक्रम (स्पेक्ट्रम) के भिन्न.भिन्न भागों की ऊर्जा के वितरण को परिभाषित नहीं किया जा सका था। इसे समझने के लिए प्लांक ने प्रकाश उत्सर्जन करने वाले द्रव्य. कणों की निरंतर चाल के साथ उनमें बिखरी ऊर्जा को भी समझने का विचार दिया। इससे काले पिंड के वर्णक्रम की व्याख्या सुलझ गई। दरअसल इस सोच के परीक्षण में जो निष्कर्ष आएए उनसे ज्ञात हुआ कि ऊर्जा का विकिरण लगातार न होकर टुकड़ों.टुकड़ों में होता है। इन टुकड़ों को

विकिरण.कण नाम दिया गया। यह विकिरण भी कणों पर नहींए बल्कि तरंगों के आधार पर चलता है। यह नियम विद्युत चुंबकीय सिद्धांत के विपरीत था, क्योंकि अब तक यह माना जाता था कि द्रव्य.कणों की गति में विद्यमान ऊर्जा निरंतर गतिशील रहती है। यानी क्वांटम सिद्धांत के तहत अणुए परमाणु और इनके भी मूलभूत कण बेहद लघुतम अवस्था में मौजूद रहते हैं। इस खोज पर 1918 में मैक्स प्लांक को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार भी मिला। 1924 में सत्येंद्रनाथ बोस ने प्लांक के विकिरण नियम को समझाने के लिए एक सर्वथा नवीन विधि सुझाई। उन्होंने प्रकाश की कल्पना द्रव्यमान रहित कणों के एक गैस पिंड के रूप में ली। इसे फोटॉन गैस के रूप में मान्यता मिली। बाद में इस मान्यता को अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी स्वीकृति दी। विज्ञान ने पहले परमाणु को ही ऐसा सबसे सूक्ष्मतम कण बतलाया था, जिसने विश्व का निर्माण किया है। फिर आगे की खोज से ज्ञात हुआ कि परमाणु भी विभाजित हो सकता है। यानी उसे और अत्यंत सूक्ष्म.कणों में बांटा जा सकता है। फलतः ये सूक्ष्म.कण, इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन और न्यूट्रॉन नाम के लघुतम रूपों में सामने आए। कालांतर में कण मसलन क्वांटम भौतिकी और विकसित रूपों में सामने आई। तब पता चला कि प्रोटॉन और न्यूट्रॉन को और विभाजित किया जा सकता है। अंततः इसे क्वार्क व लैपटॉन जैसे सूक्ष्म कणों में विभाजित कर भी लिया गया। इस तरह से कण भौतिकी में एक प्रामाणिक प्रतिदर्ष सामने आया, जिसमें क्वार्क व लैप्टॉन के बारह सूक्ष्मतम कणों के प्रकार दर्ज हैं। इन्हें जरूर अब तक अविभाज्य माना गया है। अब इन्हें ही मूलकण माना जा रहा है। आधुनिक विज्ञान में यह धारणा बन रही है कि पदार्थ से संबंधित अत्यंत कम द्रव्यमान वालेए इन्हीं मूल कणों से सृष्टि के जड़ एवं चेतन स्वरूप अस्तित्व में आए हैं। कण.यांत्रिकी को कल के कंप्युटर का भविष्य माना जा रहा है।यह परमाणु और उप परमाणु के स्तर पर ऊर्जा और पदार्थ की व्याख्या करती है। पारंपरिक कंप्यूटर बिट ;अंशद्ध पर काम करते हैं वहीं क्वांटम कंप्यूटर में प्राथमिक इकाई क्यूबिट यानी कणांश होती है। पारंपरिक कंप्यूटर में प्रत्येक बिट का मूलाधार या मूल्य शून्य (0) और एक (1) होता है। कंप्यूटर इसी शून्य और एक की भाषा में ही कुंजी.पटल (की-बोर्ड) से दिए निर्देश को ग्रहण करके समझता है और परिणाम को अंजाम देता है। वहीं क्वांटम की विलक्षणता यह होगी कि वह एक साथ ही शून्य और एक दोनों को ग्रहण कर लेगा। यह क्षमता क्यूबिट की वजह से विकसित होगी। परिणामस्वरूप यह दो क्यूबिट में एक साथ चार मूल्य या परिणाम देने में सक्षम हो जाएगा। एक साथ चार परिणाम स्क्रीन पर प्रकट होने की इस अद्वितीय क्षमता के कारण इसकी गति पारंपरिक कंप्यूटर से कहीं बहुत ज्यादा होगी। इस कारण यह पारंपरिक कंप्युटरों में जो कूट.रचना या गूढ.लेखन कर दिया जाता हैए उससे कहीं अधिक मात्रा में यह कंप्यूटर डाटा ग्रहण व सुरक्षित रखने में समर्थ होगा। इसीलिए दावा किया जा रहा है कि इसकी मदद से आंकड़ों और सूचनाओं को कम से कम समय में प्रसारित किया जा सकेगा। एआईए जीपीटी चेट और चौटबॉट जैसी तकनीक इसकी सहायता से और तेजी से गतिशील रहेंगी। लेकिन विलो चिप निर्माण कर लिए जाने की घोषणा ने सुपर कंप्यूटर के निर्माताओं को फिलहाल सकते में डाल दिया है।क्योंकि विलो चिप की क्षमताएं ब्रह्मांड व्यास की तरह शक्तिशाली और असीमित बताई गईं हैं। क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता को देखते हुए इसके विकास में भारत समेत अनेक देश लगे हैं। यही वजह है कि आविष्कार से पहले इसकी क्षमताओं का मूल्यांकन कर लेने वाले देश इसके अनुसंधान पर बढ़ी धनराशि खर्च कर रहे हैं। चीन ने 15 अरब डॉलर खर्च करने की घोषणा की है, चीन की ई.कॉमर्स कंपनी अलीबाबा अलग से इस पर काम कर रही है। यूरोपीय यूनियन इस क्षेत्र में करीब 8 अरब डॉलर खर्च कर रही है। भारत सरकार ने भी इस दिशा में शोध को बढ़ावा देने के लिए क्वांटम सूचना.विज्ञान और प्रौधोगिकी संस्था का गठन तो पहले ही कर लिया था, लेकिन केवल क्वांटम तकनीक पर नवीन शोध और आविष्कार के लिए 2023-24 से 2030-31 तक चलने वाले इस अभियान पर इस 6003.65 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। भारत इतनी बड़ी धनराशि पहली बार खर्च कर रहा है। फिलहाल ऐसा भी माना जा रहा है कि क्वांटम यांत्रिकी का क्षेत्र जितना महत्वपूर्ण है, उस तुलना में इस क्षेत्र में कुशल युवाओं की संख्या बहुत कम है। एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में कुछ हजार से भी कम लोग क्वांटम अभियांत्रिकी या भौतिकी में शोधरत हैं। अनेक कंपनियां कल्पनाशील एवं योग्य लोगों की तलाश में हैं। हैरानी इस पर भी है कि इस क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं होने के बावजूद इस जटिल विषय की ओर युवा आकर्शित नहीं हो रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि कुशाग्र बुद्धि वाले जो विद्यार्थी कल्पनाशील विचार रखते हैं, उन्हें हतोत्साहित किया जाकर इस मेधा.शक्ति को कंपनियों के पारंपरिक कार्यों में खपाया जा रहा है या सरकारी नौकरियां करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।अतएव भारत के इंजीनियरिंग तकनीक से शिक्षित युवा इस तकनीक में कौशल दक्षता दिखा सकते हैं।

प्रमोद भार्गव, लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं।

ऐक्टू नगर सम्मेलन में श्रमिक अधिकारों को लेकर हुंकार

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ऑल इंडिया सेंटर काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस ऐक्टू का नगर सम्मेलन रविवार को आहूजा धर्मशाला में आयोजित किया गया। सम्मेलन में श्रमिकों की समस्याओं, श्रम कानूनों में हुए बदलाव, न्यूनतम वेतन, महिला स्कीम वर्कर्स के अधिकारों तथा श्रमिक आंदोलनों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान विभिन्न मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखने का प्रस्ताव पारित किया गया तथा संगठन की नई नगर कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऐक्टू के प्रदेश महामंत्री केके बोरा ने कहा कि वर्तमान समय में मजदूर वर्ग लगातार आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के मुकाबले मजदूरी में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है। उनका आरोप था कि केंद्र सरकार ने पुराने 44 श्रम कानूनों को समाप्त कर चार नए लेबर कोड लागू किए हैं, जिससे श्रमिकों के अधिकार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि कई औद्योगिक प्रतिष्ठानों में मजदूरों से लंबे समय तक कार्य कराया जा रहा है। हाल के श्रमिक आंदोलनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह श्रमिकों की समस्याओं और असंतोष का परिणाम है। ऐक्टू के जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी ने कहा कि विभिन्न राज्यों में मजदूरी बढ़ाने के फैसले महंगाई की तुलना में पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के रेप्टा क्रॉस निर्णय का हवाला देते हुए संगठन श्रमिकों के लिए 42 हजार रुपये मासिक न्यूनतम वेतन की मांग कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सिडकुल क्षेत्र में श्रमिकों का शोषण जारी है और इसके विरुद्ध मजदूरों को संगठित होकर

संघर्ष करना होगा। जिला सचिव अनीता अन्ना ने कहा कि आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, भोजनमाता और अन्य महिला स्कीम वर्कर्स लंबे समय से राज्यकर्मी का दर्जा और न्यूनतम वेतन देने की मांग कर रही हैं, लेकिन उनकी मांगों पर अभी तक सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों पर लगातार कार्यभार बढ़ाया जा रहा है, जबकि उनके मानदेय में अपेक्षित वृद्धि नहीं की जा रही है। सम्मेलन में हीरा सिंह राठौर को नगर अध्यक्ष, प्रकाश नेगी को नगर सचिव, कमल सिंह को नगर उपाध्यक्ष तथा प्रकाश बोरा को नगर उप सचिव चुना गया। वहीं निरंजन लाल, कमलेश कार्की, वीरेंद्र सिंह, नमिता सरकार, हेमंत भट्ट और पुष्कर खाती को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। इस अवसर पर अनीता अन्ना, उत्तम दास, गोपाल दत्त तिवारी, मोहन सिंह, रीता कश्यप, आनंद रावत, संदीप हुड्डा, इन्द्रजीत कुमार, विजय शर्मा, कार्तिक सरकार, नरेश कुमार, धीरज, रंजन विश्वास, पंकज जोशी, केहरी सिंह, जसवंत सिंह, दानवीर सिंह, दूध नाथ भारती, ललित मटियाली, संतोष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीन महीने से राशन नहीं मिलने से कार्डधारक परेशान

दिनेशपुर। नगर और आसपास के क्षेत्रों के कई राशन कार्ड धारकों ने आरोप लगाया है कि उन्हें पिछले तीन महीनों से सरकारी राशन नहीं मिल पाया है। लगातार राशन वितरण नहीं होने से गरीब और मजदूर परिवारों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बरसात के मौसम में रोजगार प्रभावित होने के कारण कई परिवारों के सामने दो वक्त की रोटी का संकट भी गहरा गया है।राशन कार्ड धारकों का कहना है कि वे कई बार अपने-अपने उचित दर विक्रेताओं (डीपो) के पास राशन लेने पहुंचे, लेकिन उन्हें हर बार अलग-अलग कारण बताकर वापस लौटा दिया गया। उनका आरोप है कि तीन माह से खाद्यान्न नहीं मिलने के कारण उन्हें बाजार से महंगे दामों पर राशन खरीदना पड़ रहा है, जिससे घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। मजदूरी पर निर्भर परिवारों के लिए यह स्थिति और अधिक चिंताजनक बनी हुई है।वहीं मामले में पूर्ति अधिकारी अल्पना बजाज ने बताया कि विभाग की ओर से अप्रैल, मई और जून माह का खाद्यान्न डीपो स्वामियों द्वारा उठान कर वितरित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अब जून, जुलाई और अगस्त माह का राशन भी जल्द ही उचित दर विक्रेताओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को वितरित कराया जाएगा। यदि किसी पात्र उपभोक्ता को राशन नहीं मिला है तो उसकी शिकायत की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।राशन वितरण में हुई देरी को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी बनी हुई है। लोगों का कहना है कि सरकार कीमहत्वाकांक्षी खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ समय पर नहीं मिलने से सबसे अधिक असर गरीब और मजदूर वर्ग पर पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सभी पात्र कार्डधारकों को शीघ्र राशन उपलब्ध कराया जाए और वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं नियमित बनाया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की समस्या दोबारा उत्पन्न न हो।

तमंचा व कारतूस के साथ बदमाश गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक युवक को अवैध 12 बोर तमंचा और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। उपनिरीक्षक संजय सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एसआरएफ फैक्ट्री के पास मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक अवैध तमंचा लेकर फिरोजपुर से रेलवे पटरी के रास्ते आ रहा है। सूचना में यह भी बताया गया कि उक्त युवक कुछ दिन पहले ग्राम फिरोजपुर में लोगों को तमंचा दिखाकर धमका चुका है। सूचना पर पुलिस टीम ने एसआरएफ से कचनालगांजी जाने वाले मार्ग पर रेलवे अंडरपास के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद रेलवे लाइन के किनारे पैदल आता एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे दबोच लिया।।तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक 12 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा 12 बोर कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सचिन यादव (26 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय राजपाल यादव, निवासी कुमाऊँ कॉलोनी, कचना लगांजी, थाना काशीपुर बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश करने के बाद चालान कर दिया।

पेज एक का शेष...

बद्रीनाथ चढ़ावा प्रकरण में ...मिलने पर उन्होंने नेहरू कॉलोनी बाईपास चौकी में शिकायत दर्ज कराते हुए आशंका जताई कि कुछ लोग पूछताछ के नाम पर उन्हें अपने साथ ले गए हैं। बाद में चमोली पुलिस ने प्रमोद नौटियाल के हिरासत में होने की पुष्टि कर दी। परिजनों ने बताया कि प्रमोद नौटियाल ने मामले में नैनीताल हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है, जिस पर 16 जुलाई को सुनवाई प्रस्तावित है। इसी वजह से उन्हें इस प्रकार साथ ले जाने को लेकर परिवार ने चिंता व्यक्त की थी। बद्रीनाथ थाने में पूछताछ के दौरान प्रमोद नौटियाल से जब यह पूछा गया कि क्या कथित चढ़ावा हेराफेरी के मामले में मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की भी कोई भूमिका है, तो उन्होंने सिर हिलाकर इससे इनकार किया। चमोली के पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि एसआईटी सभी दस्तावेजों, अभिलेखों, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों का गहन परीक्षण कर रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।मामले की शुरुआत 2 जुलाई को उस समय हुई थी, जब बद्रीनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की गणना के दौरान कथित अनियमितता की सूचना बद्री केदार मंदिर समिति को मिली। प्रारंभिक जांच में आरोप लगाया गया कि सुबह करीब नौ से साढ़े नौ बजे के बीच गणना स्थल से नियमों के विपरीत धनराशि हटाई गई। इसी दौरान की सीसीटीवी फुटेज में प्रमोद नौटियाल मोबाइल के नीचे नोटों जैसी गड्डी दबाकर ले जाते हुए दिखाई देने का दावा किया गया। मामला सामने आने के बाद मंदिर समिति ने विभागीय जांच शुरू कर दी थी। समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के निर्देश पर गठित चार सदस्यीय जांच समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में प्रमोद नौटियाल के खिलाफ प्रथम दृष्टया अनियमितता पाए जाने की बात कही। इसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर स्पष्टीकरण देने का नोटिस जारी किया गया। साथ ही प्रभारी मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवाण की शिकायत पर बद्रीनाथ थाने में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। हालांकि प्रमोद नौटियाल ने विभागीय जांच में अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि वह हमेशा अपने साथ एक नोटबुक रखते हैं। उनका कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में मोबाइल के नीचे जो वस्तु दिखाई दे रही है, वह नोटों की गड्डी नहीं बल्कि उनकी नोटबुक है।

मुठभेड़ में शार्प शूटर...आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। एसएसपी अजय गणपति के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुद्रपुर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम लगातार गैंग के संभावित ठिकानों पर दबिश, निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने में लगी थी, जिसके चलते गिरोह के सदस्य अपने घर छोड़कर फरार हो गए थे। रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि वांछित शार्प शूटर जितेंद्र चौधरी अपने साथियों के साथ बिना नंबर प्लेट की सफेद रेनॉल्ट क्विड कार में सवार होकर डिबडिबा क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वी पर जानलेवा हमला करने जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने जाफरपुर कट क्षेत्र में घेराबंदी कर नाकाबंदी शुरू कर दी। कुछ देर बाद संदिग्ध वाहन दिखाई देने पर पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन कार सवार आरोपी तेज रफ्तार से भाग निकले। पीछा करने पर कार यूनिटी लॉ कॉलेज के समीप कच्चे रास्ते में जाकर तारबाड़ से टकरा गई। इसके बाद कार सवार आरोपी खेतों और बाग की ओर भाग गए तथा पेड़ों की आड़ लेकर पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार आरोपियों को कई बार आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी गई, लेकिन वे लगातार पुलिस पर फायरिंग करते रहे। पुलिस बल और स्वयं के जीवन पर उत्पन्न खतरे को देखते हुए आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर करीब आधा दर्जन राउंड फायर किए। जवाबी कार्रवाई में मुख्य आरोपी जितेंद्र चौधरी उर्फ विरत चौधरी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे दबोच लिया गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घायल जितेंद्र चौधरी के अलावा सुमित राठौर और चंदन लाल को गिरफ्तार कर लिया, जबकि निरंजन टाकुली उर्फ नीरू टाकुली अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार कांबिंग और दबिश अभियान चलाया जा रहा है। घायल जितेंद्र चौधरी को उपचार के लिए जिला अस्पताल रुद्रपुर में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। गिरफ्तार आरोपियों में डिबडिबा बिलासपुर निवासी 28 वर्षीय जितेंद्र चौधरी उर्फ विरत चौधरी, फुलसुगां ट्रांजिट कैंप निवासी 21 वर्षीय सुमित राठौर तथा डिबडिबा निवासी 32 वर्षीय चंदन लाल शामिल हैं। फरार आरोपी की पहचान निरंजन टाकुली उर्फ नीरू टाकुली निवासी चंदेन फार्म, बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन अवैध 315 बोर तमंचे, आठ जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, बिना नंबर प्लेट की रेनॉल्ट क्विड कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ कोतवाली रुद्रपुर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 3(5) तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 3 और 25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी जितेंद्र चौधरी का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ रुद्रपुर, पुलभट्टा, दिनेशपुर तथा उत्तर प्रदेश के बिलासपुर थानों में हत्या के प्रयास, फायरिंग, अवैध हथियार रखने, रंगदारी और अन्य गंभीर अपराधों के एक दर्जन के करीब मुकदमे दर्ज हैं। सुमित राठौर और फरार आरोपी निरंजन टाकुली के खिलाफ भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने कहा कि जनपद में अपराधियों, गैंगस्टरों और कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले तत्वों के लिए कोई स्थान नहीं है। पुलिस पर हमला करने वालों, गैंगवार को बढ़ावा देने वालों तथा आमजन की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों के विरुद्ध आगे भी कठोरतम वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी। इस पूरी कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक प्रकाश दानू के नेतृत्व में वरिष्ठ उपनिरीक्षक खुशवंत सिंह, उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, उपनिरीक्षक प्रदीप पंत, उपनिरीक्षक पंकज कुमार, सहायक उपनिरीक्षक अमित कुमार, एसओजी के कांस्टेबल भूपेंद्र आर्या, मुख्य आरक्षी राजकुमार, आरक्षी विजय दरमाल, हरीश मेहरा तथा महेश पंचपाल सहित पुलिस टीम ने अंजाम दिया।

अमरनाथ से लौटे ...महापौर विकास शर्मा ने कहा कि बाबा बर्फानी के दर्शन का सौभाग्य मिलना जीवन का अत्यंत पावन और अविस्मरणीय अनुभव है। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों और दुर्गम मार्गों के बीच सम्पन्न होने वाली यह यात्रा श्रद्धा, आस्था और आत्मिक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने यात्रा के सफल आयोजन के लिए श्री अमरनाथ जी सेवा मंडल और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। समाजसेवी जगदीश तनेजा ने कहा कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा में भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य सुनाया था। इसी कारण इस धाम का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि जिन श्रद्धालुओं को इस पवित्र यात्रा का अवसर मिलता है, वे स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं। समाजसेवी सुशील गाबा ने कहा कि दुर्गम हिमालयी मार्गों और प्रतिकूल मौसम की चुनौतियों के बीच अमरनाथ यात्रा पूरी करना श्रद्धालुओं की अटूट आस्था, ध ैर्य और साहस का परिचायक है। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यता है कि बाबा बर्फानी के दर्शन से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है। उन्होंने यात्रा के सफल संचालन और श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं के लिए सुनील ठुकराल मिक्की की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर श्री अमरनाथ जी सेवा मण्डल के अध्यक्ष्ज्ञ अजय चड्डा, संस्थापक सुनील ठुकराल, राजन राठौर, हरमीत सिंह रंधावा, हैप्पी रंधावा, करण कुमार, सागर शर्मा, मदन लाल गुंबर, राजकुमार नारंग, हरबंस गुंबर, किशन सुखीजा, राकेश सुखीजा, अमित अरोड़ा बॉबी, सुरेंद्र छाबड़ा, गौरव अनेजा, नंद लाल शर्मा, राजू पांडे, संतोष यादव, रवि गुलाटी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विकसित उत्तराखंड की ...विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों को साइंस सिटी से जोड़ने सहित अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि विशेषज्ञों के अनुभवों को परियोजना के विकास में शामिल किया जाएगा ताकि साइंस सिटी राष्ट्रीय स्तर की आधुनिक विज्ञान संस्था के रूप में विकसित हो सके। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा उत्तराखंड भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नई विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति के माध्यम से राज्य में अनुसंधान, तकनीकी विकास, स्टार्टअप और नवाचार के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया जा रहा है। साइंस सिटी विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और आम लोगों के लिए विज्ञान को सरल, रोचक और उपयोगी बनाने का माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि साइंस सिटी में ऐसे आधुनिक विज्ञान मॉडल, इंटरएक्टिव प्रदर्शनी, नवाचार केंद्र और अनुसंधान सुविध एं विकसित की जाएं, जिससे नई पीढ़ी विज्ञान के प्रति आकर्षित हो और उत्तराखंड ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा, विधायक सहदेव पुंडीर, यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सचिव नितेश झा, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार प्रो. गोविंद सिंह, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, विश्वविद्यालयों के कुलपति, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पति से कहासुनी के बाद...में लेकर तेजी से गंगनहर की ओर दौड़ी और देखते ही देखते नहर में छलांग लगा दी। घटना के बाद अर्जुन और उसका चार वर्षीय बेटा शोर मचाने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और महिला व बच्ची की तलाश के लिए गंगनहर में सर्च अभियान शुरू किया, जो समाचार लिखे जाने तक जारी था। क्षेत्राधिकारी संजय चौहान ने बताया कि एसडीआरएफ की टीम लगातार महिला और बच्ची की तलाश कर रही है। साथ ही परिजनों से पूछताछ कर घटना के कारणों की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार अर्जुन एल्यूमीनियम स्ट्रक्चर बनाने का काम करता है। उसका विवाह वर्ष 2021 में सविता के साथ हुआ था।

सड़क हादसे में ...दुर्घटना में विनोद मिगलानी सहित कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। जबकि दूसरी कार में सवार लोगों को मामूली चोटें आ गई। घटना की जानकारी मिलते ही संजय वन चौकी पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने विनोद मिगलानी को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए रैफर कर दिया गया। घायलों को परिजनों द्वारा निजी चिकित्सालय में भती कराया गया है। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और बाद में दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन आ पहुंचे और उनमें कोहराम मच गया।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व...उन लोगों के लिए बड़ी सौगात है, जो आर्थिक या अन्य कारणों से तीर्थ यात्रा नहीं कर पाते थे। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान आने जाने, भोजन, आवास और चिकित्सा सहित सभी व्यवस्थाएं सरकार की ओर से नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने यात्रा की सफलता तथा देश और प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना भी की। जिला पर्यटन विकास अधिकारी कीर्ति आर्या ने बताया कि हल्द्वानी से रवाना हुआ दल पहले देहरादून पहुंचेगा। वहां उत्तराखंड के सभी 13 जिलों से आए श्रद्धालुओं का समागम होगा। इसके बाद हर्रावाला रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर भगवान सोमनाथ धाम के लिए रवाना करेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ना है। इस यात्रा की विशेषता यह भी है कि श्रद्धालु उत्तराखंड के सभी 13 जिलों की पवित्र नदियों के जल से भरे कलश अपने साथ सोमनाथ धाम ले जाएंगे। नैनीताल जिले के दल में 14 महिलाएं और 23 पुरुष शामिल हैं, जिनमें वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं, युवा और स्वयंसेवक भी शामिल हैं। श्रद्धालुओं की रवानगी के अवसर पर उत्तराखंड सरकार में दर्जा राज्यमंत्री दीपक माहरा, मोहन पाठक, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण खाती, उपजिलाधिकारी मोनिका, जिला विकास अधिकारी संतोष पंत, तहसीलदार कुलदीप पांडे, खंड विकास अधिकारी असगर तनवीर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

चोरी की बाइक...में चोरी की घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने नौगजा मजार पुलिया के पास वाहन चेकिंग के दौरान रवि पाल (26) पुत्र देवदास, निवासी ग्राम टांडा डालचंद, निकट शनिदेव मंदिर, थाना केलाखेड़ा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद कर ली। आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मीना रावत, अपर उपनिरीक्षक प्रकाश सिंह बोरा तथा कांस्टेबल दर्शन सिंह शामिल रहे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

हिंदू हितैषी राज में 'अंधेरे में डूबा' विश्वकर्मा हनुमान मंदिर

तथाकथित धर्माचार्य समेत तमाम हिंदूवादी संगठनों एवं विपक्ष की भी जुबान पर ताला

– अर्श–

रुद्रपुर। ऐसे समय, जबकि उत्तराखंड सरकार के टॉप से लेकर बॉटम तक के सत्ताधीश एवं तमाम जनप्रतिनिधि हिंदू हितैषी होने एवं हिंदू धर्म के लिए कुछ भी कर गुजरने के बड़े-बड़े दावे करते नहीं अघाते, रुद्रपुर की विश्वकर्मा मार्केट में स्थित विश्वकर्मा हनुमान मंदिर इन दिनों पूरी तरह अंधेरे में डूबा हुआ है। वह इसलिए क्योंकि शहर के बस स्टैंड को अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल के रूप में विस्तारित किया जाना है और इस प्रस्तावित विस्तार में आड़े आ रही विश्वकर्मा मार्केट का ध्वस्तीकरण किया जाना है। विश्वकर्मा मार्केट के छोटे एवं मझौले दुकानदार मार्केट के ध्वस्तीकरण में कोई रुकावट ना पैदा करें और ध्वस्तीकरण के पहले ही मजबूरन अपनी- अपनी दुकान खाली करके चले जाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए बिजली महकमे द्वारा भरी बरसात में बिना किसी पूर्व सूचना एवं नोटिस दिए बिना विश्वकर्मा मार्केट की बिजली ही अचानक काट दी गई। जिसके चलते समूची विश्वकर्मा मार्केट सहित हनुमान मंदिर भी गहरे अंधेरे के साए में आ गया। मजे की बात तो यह है कि विश्वकर्मा मार्केट की बिजली काटे जाने और मार्केट के ध्वस्तीकरण की चर्चाओं के बीच रुद्रपुर के दोनों ही जन प्रतिनिधि, जो कि सत्ताधारी दल से हैं और सनातन स्वाभिमान और आस्था के लिए किसी भी हद तक जाने का खम भी ठोकते हैं, अलग-अलग समय पर मौके पर पहुंचे और विश्वकर्मा मार्केट के दुकानदारों को वैकल्पिक व्यवस्था के बिना नहीं हटाए जाने का आश्वासन दिया। हालांकि बाधित विद्युत आपूर्ति की ओर ध्यान आकृष्ट कराए जाने पर भी दोनों ही जनप्रतिनिधियों ने विद्युत आपूर्ति बहाल किए जाने को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया। हैरत की बात तो यह है कि जनप्रतिनिधि और विश्वकर्मा मार्केट के दुकानदारों का यह जमवाड़ा ऐन हनुमान मंदिर के पास ही लगा, लेकिन जनप्रतिनिधियों की नजर अंधेरे में डूबे हुए हनुमान मंदिर पर नहीं पड़ी। यही नही पूर्व विधायक जो अब कांग्रेस में शामिल है अपने आपको हिन्दू हृदय सम्राट होने का दंभ भरते है, मगर उनकी जुबां भी इस मुद्दे पर कुछ नही बोल पाई। पाठकों की जानकारी के लिए बता दें कि यह वही हनुमान मंदिर है जहां पखवाड़े पर पहले अच्छी खासी रौनक रहती थी और श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता था तथा मंदिर के सामने दीन-हीन लोगों की भारी भीड़ जमा रहती थी, मगर मंदिर की लाइट कटने के बाद अब यहां शाम ढलते ही पूरी तरह सन्नाटा पसर जाता है और श्रद्धालुओं की आमद भी पहले से काफी कम हो गई है। जान पड़ता है जैसे विश्वकर्मा हनुमान मंदिर पर संकट का साया मंडराते ही तथाकथित धर्माचार्य एवं मठाधीशों तथा बात-बात पर आसमान पर सर पर उठा लेने वाले हिंदूवादी संगठनों के साथ-साथ भक्तों ने भी हनुमान मंदिर से दूरी बना ली है।

हिंदू हृदय सम्राट का दम भरने वाले ठुकराल भी खामोश

रुद्रपुर। विश्वकर्मा मार्केट स्थित श्री हनुमान मंदिर पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण अंधेरे में डूबा हुआ है। जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते थे, लेकिन अब वहां अंधेरा है। हैरानी की बात यह है कि इस मुद्दे पर न केवल सत्ता पक्ष, बल्कि विपक्ष भी पूरी तरह मौन नजर आ रहा है। स्वयं को हिंदू हितों का प्रबल पक्षधर बताने वाले पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल जो अक्सर हिंदू आस्था और धार्मिक मुद्दों पर मुखर रहते हैं, उन्होंने भी अब तक मंदिर की बिजली बहाल कराने या इस विषय पर कोई सार्वजनिक पहल नहीं की है। कांग्रेस संगठन की ओर से भी इस मामले में कोई आवाज नहीं उठाई गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मामला केवल एक बाजार की बिजली का नहीं, बल्कि एक ऐसे मंदिर का भी है जहां प्रतिदिन श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

पदाधिकारियों को किया सम्मानित

गदरपुर । भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, दिनेशपुर के मंडल अध्यक्ष राजू सैनी के नेतृत्व में बूथ संख्या 52 पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व एवं वर्तमान वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा निष्ठावान कार्यकर्ताओं के सम्मान में स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का पुष्पमाला पहनाकर एवं सम्मानित कर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर भाजपा की संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं के समर्पण तथा राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने के संकल्प को दोहराया गया।

फर्जी तरीके से लिपिक पद पर नियुक्ति पाने का लगाया आरोप

नानकमत्ता। नगर पंचायत के चेयरमैन ने पंचायत के ई ओ पर फर्जी तरीके से लिपिक पद पर नियुक्ति पाने का आरोप लगाते हुए उनकी नियुक्ति रद्द कर लिए गए वेतन की रिकवरी करने की मांग की है। नगर पंचायत कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अध्यक्ष प्रेम सिंह टुरना एवं सभासदों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान में नगर पंचायत में कार्यरत अधिशासी अधिकारी ने वर्ष 2002 में खटीमा नगर पालिका में सिर्फ एक प्रार्थना पत्र देकर बिना किसी रिक्त पद के लिपिक पद पर नौकरी ले ली। आरोप है कि वर्ष 2014 में तत्कालीन उप जिलाधिकारी खटीमा ने लिपिक की नियुक्ति की जांच की तो उसमें खुलासा हुआ कि वर्तमान अधिशासी अधिकारी ने लिपिक पद पर फर्जी तरीके से नियुक्ति पाई थी। जिसकी जांच रिपोर्ट खटीमा उप जिलाधिकारी ने जिलाधिकारी उधम सिंह नगर को वर्ष 2014 में प्रेषित की थी इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा सचिव शहरी विकास विभाग को लिपिक को अवैध नियुक्ति के संबंध में कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा था। लेकिन वर्ष 2014 की जांच आख्या के बाद भी 12 साल बाद भी लिपिक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री को पत्र लिखकर अधिशासी अधिकारी को बर्खास्त करने की मांग की है। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सभासद गौरव वर्मा, सभासद सुरंजन राय, सभासद विशाल गोयल समेत अन्य सभासद मौजूद थे। इधर अधिशासी अधिकारी से फोन कर उनका पक्ष लेने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।